साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 222 | जौनपुर, गुरूवार, 09 मई 2024 | साान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

4 जून को एनडीए सरकार गिरने वाली है, पीएम मोदी घबराए हुए हैं – तेजस्वी यादव

पटना, एजेंसी। बिहार के पूर्व डिप्टी सीएम और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पीएम मोदी को निशाने पर लिया है। उन्होंने दावा किया कि 4 जून को एनडीए की सरकार गिरने जा रही है। तेजस्वी पटना में पत्रकारों से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जानते हैं कि बिहार और देश की जनता तानाशाह सरकार को हटाना चाहती है। तीसरे चरण के चुनाव में हम लोग बहुत अच्छे पोजीशन में हैं। चुनाव के पहले जो लोग कुछ और समझते थे वे लोग उंगली चबाने का काम कर रहे हैं। हम लोग पूरी तरह से कॉन्फिडेंस में हैं कि 4 जून को एनडीए की सरकार गिरने जा रही है। लालू यादव पर प्रधानमंत्री मोदी की ओर से की गई टिप्पणी पर तेजस्वी ने कहा कि पीएम मोदी कब लालू यादव के खिलाफ नहीं बोलते हैं। पीएम मोदी दिन भर हम लोगों के खिलाफ बोलते रहते हैं। आप देखिए ना हमको दूसरे राज्य में जाकर गाली दे रहे हैं। वह घबराये हुए हैं, डरे हुए हैं, वो केवल झूठ बोलते हैं। आरक्षण के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम लोगों ने जातिगत जनगणना के बाद जो आरक्षण बढ़ाया है उसे नवमी सूची में शामिल क्यों नहीं किया गया? पीएम मोदी देश के संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री के कथनी करनी में भारी अंतर है। प्रधानमंत्री जी को धर्मशास्त्र सीखना है। धर्म के साथ–साथ कर्म की भी बातें आप करें कि 10 साल आपने क्या किया, आपने बिहार के लिए क्या किया ?

संविधान बदलने के लिए 400 से ज्यादा सीट जीतना चाहती है भाजपा – उद्धव

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना –उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना–यूबीटी) के नेता उद्धव ठाकरे ने मंगलवार को दावा किया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 400 से अधिक सीट जीतना चाहता है ताकि वे संविधान को बदल सके। ठाकरे ने दावा किया, उनके (भाजपा) लिए भारत का संविधान एक बोझ है। वे सोचते हैं कि उन्हें एक दलित द्वारा लिखे गए संविधान का पालन क्यों करना चाहिए? वे 400 से अधिक सीट इसलिए जीतना चाहते हैं ताकि वे डॉ. बीआर आंबेडकर के लिखे संविधान को बदल सकें। ठाकरे ने केंद्र सरकार पर कृषि उपज की पर्याप्त कीमत न देकर किसानों को धोखा देने का आरोप लगाया। ठाकरे ने धुले में महा विकास आघाडी गठ बंधन की उम्मीदवार शोभा बछाव के लिए रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया, हम सत्ता में लौटने के बाद महाराष्ट्र का गौरव लौटाएंगे, जो इन (भाजपा) लोगों ने लूट लिया है। छत्रपति शिवाजी महाराज ने (स्वराज के लिए) सूरत को लूटा था लेकिन अब सूरत के ये दोनों (व्यक्ति) छत्रपति के महाराष्ट्र को लूट रहे हैं।

ये संविधान बचाने का चुनाव, इंडिया गठबंधन के पक्ष में जनता ने कर रही वोट – अखिलेश यादव

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को कहा कि देश में लोकसभा चुनाव संविधान के रक्षकों और उसके भक्षकों के बीच मुकाबला है। उत्तर प्रदेश के शाहजहाँपुर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, यादव ने कहा कि जनता ने अब तक हुए चुनावों में समाजवादी पार्टी और इंडिया ब्लॉक का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि ये चौथे चरण का चुनाव होने जा रहा है, अभी तक जितने चरण हुए हैं समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन के पक्ष में जनता ने सबसे ज्यादा वोट किया है। पहले चरण से जो हवा चली है उसने भारतीय जनता पार्टी को पलट दिया है। सपा नेता ने कहा कि पिछले दस साल का हिसाब किताब निकालें इन भारतीय जनता पार्टी के लोगों की हर बात झूठी निकली, हर वादा झूठा निकला। उन्होंने कहा कि 16 लाख करोड़ रुपए बड़े–बड़े उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर दिया, लेकिन गरीबों और किसानों का कर्ज माफ नहीं किया। इंडिया गठबंधन और समाजवादी सरकार किसानों का कर्ज माफ करेगी। उन्होंने कहा कि समाजवादी लोग अग्निवीर को स्वीकार नहीं कर सकते हैं।

सीएए को कोई भी नहीं हटा सकता - अमित शाह

लखनऊ, संवाददाता। शाह ने कहा कि गांधीजी रायबरेली में हार जाएंगे जिसके बाद उन्हें इटली में बस जाना चाहिए, जो उनके लिए एकमात्र जगह बची है। इंडिया ब्लॉक की आलोचना करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि विपक्षी दलों के नेता राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं हुए क्योंकि वे अपने वोट बैंक से डरते थे। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर विपक्षी गुट सत्ता में आया तो राम मंदिर पर बाबरी ताला लगा देगा। संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) का जिक्र करते हुए शाह ने कहा, ''राहुल बाबा (राहुल गांधी) कहते हैं, अखिलेश कहते हैं कि हम सीएए को हटा देंगे। अरे राहुल बाबा आप तो क्या आपकी नानी भी ऊपर से वापस आ जाए, तो सीएए को नहीं हटा पाएगी। शाह ने कहा कि पाकिस्तान से भारत में आए हिंदू, सिख, बौद्ध और जैन लोगों को नागरिकता देने का कानून (प्रधानमंत्री

नरेन्द्र) मोदी जी हाल ही में लेकर आए हैं। कन्नौज में शाह ने कहा कि सदियों से हमारा कन्नौज, दुनियाभर में इत्र की खुशबू पहुंचाता है और जब जी20 वाले आए तो हमारे नेता मोदी जी ने सबको कन्नौज का इत्र भेंट किया है। इसके अलावा, रामलला को जो इत्र जाता है, वो भी यहीं से जाता है। उन्होंने कहा कि यहां वर्षों तक मुलायम सिंह जी के परिवार को आपने वोट दिया। ये ऐसा परिवार है, जो जीतता है तो भी बाद में नहीं आता है और हारता है तो भी नहीं आता है। कन्नौज वालों, कोरोना की विकट महामारी के दौरान अखिलेश जी या डिंपल जी यहां आए थे? सुबृत पाठक जी यहां थे, जिन्होंने सबको मुफ्त टीका लगवाया। विपक्ष पर हमला करते हुए शाह ने कहा कि ये परिवारवादी पार्टियां हैं, इनको परिवार के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता है। सपा में नेता जी गए, अखिलेश जी आ गए, इसके बाद डिंपल जी को ले आए। ये यादव समाज के खैरख्वाह नहीं हैं। शाह ने सपा को लेकर कहा कि इन्होंने 5 टिकट दिए, कन्नौज से अखिलेश यादव लड़ रहे हैं, मैनपुरी से डिंपल जी लड़ रही हैं, फिरोजाबाद से भतीजा अक्षय लड़ रहा है, बदायूं से आदित्य यादव लड़ रहा है।

सत्ता में आये तो गरीब औरतों को देंगे सालाना 1 लाख रुपये - राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। भावनात्मक रूप से भरे भाषण में, राहुल गांधी ने सत्ता में आने पर गरीब महिलाओं को सालाना 1 लाख रुपये देने के कांग्रेस के वादे को दोहराया, और पुरुषों द्वारा महिलाओं से उनके पैसे छीने जाने पर उनके खिलाफ कार्यवाही करने का वादा किया है। यानी कि राहुल गांधी ने उन महिलाओं को सपोर्ट किया है जिनकेल हक के पैसे उनके घर के पुरुष छीन लिया करते थे। एक चुनावी रैली में सबसे पुरानी पार्टी के नेता ने कहा, मुझे पता है कि उनके परिवार के लोग उनसे कुछ पैसा छीन लेंगे। 21वीं सदी में, पुरुष और महिलाएं दोनों काम करने के लिए बाहर जाते हैं। वे हर दिन आठ से 10 घंटे काम करते हैं। फिर वे घर लौट आती हैं और महिलाएं आठ घंटे और काम करती हैं। पुरुष आठ से दस घंटे काम करते हैं. 21वीं सदी में आदिवासी महिलाएं 16–18 घंटे काम करती हैं। गांधी ने कांग्रेस के नारी न्याय चुनावी वादे पर प्रकाश डालते हुए कहा, हो सकता है कि मैं जो कह

रहा हूं वह पुरुषों को पसंद न आए लेकिन यह एक सच्चाई है और यही कारण है कि हम महिलाओं के बैंक खातों में रू1 लाख डालने जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना की और आरोप लगाया कि वह आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन को उद्योगपतियों को सौंपना चाहते हैं। झारखंड के चाईबासा में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए गांधी ने सत्ता में आने पर करोड़ों लोगों को लखपति बनाने का वादा किया। यह कहते हुए कि यह लोकसभा चुनाव संविधान और आदिवासियों, गरीबों और पिछड़ों के अधिकारों को बचाने के लिए है, उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक के नेता संविधान को बचाने के लिए अपने जीवन का बलिदान देने के लिए तैयार हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, पीएम आदिवासियों के जल, जंगल, जमीन को 14–15 उद्योगपतियों को सौंपना चाहते हैं. ..नरेंद्र मोदी अडानी, अंबानी के लिए काम करते हैं...उन्होंने अपने 10 साल के कार्यकाल में 22 लोगों को अरबपति बनाया...हम सत्ता में आने पर गरीब महिलाओं को सालाना 1 लाख रुपये मुहैया कराएंगे। उन्होंने कहा भाजपा आदिवासियों को घरेलू नौकरानी जैसी भूमिकाओं तक सीमित रखना चाहती है। वे कभी नहीं चाहते कि आप डॉक्टर, इंजीनियर या वकील बनें। वे जंगलों को उद्योगपतियों को सौंपना चाहते हैं... देश को 90 आईए एस अधिकारी चला रहे हैं और उनमें से केवल एक आदिवासी है जिसे दिल्ली में किनारे कर दिया गया है।

आज वैश्विक मंच पर भारत का कद सचमुच बढ़ा – पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेसी। चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि रायलसीमा के पास ताकत और क्षमताओं की कोई सीमा नहीं है। खदानों और खनिजों से लेकर भव्य मंदिरों तक, प्रतिभाशाली किसानों से लेकर बुद्धिमान युवाओं तक, पर्यटन क्षमता से लेकर उद्योगों तक, यह क्षेत्र कई पहलुओं में अपार संभावनाएं रखता है। आज मोदी आपका आशीर्वाद लेने आये हैं। मोदी का लक्ष्य रायलसीमा को सफलता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना और आंध्र प्रदेश राज्य को अभूतपूर्व विकास प्रदान करना है। मोदी ने साफ तौर पर कहा कि कठिनाइयों से खुद को बचाने के लिए, आंध्र प्रदेश में समृद्धि लाने के लिए, आपको डबल इंजन की सरकार बनानी होगी। उन्होंने कहा कि एक मजबूत सरकार

एक मजबूत देश बनाती है। आज भारत पहले से कहीं अधिक सशक्त है। विदेशों में रहने वाले हमारे देशवासियों के सामने जो भी मुद्दे उभरते हैं, मोदी उन्हें जल्द से जल्द हल करने में कोई कसर नहीं छोड़ते। आज वैश्विक मंच पर भारत का कद सचमुच बढ़ा है। कांग्रेस की मानसिकता विभाजनकारी हो गई है। यह भारत को टुकड़े– टुकड़े करना चाहता है।

पीओके कभी भी भारत से बाहर नहीं रहा – जयशंकर

नई दिल्ली, एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को भारत को लौटाने की नरेंद्र मोदी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। विश्व बंधु भारत पर गार्गी कॉलेज में एक संबोधन के दौरान विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि एक संसद प्रस्ताव है, और देश का हर राजनीतिक दल यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि पीओके जो भारत का हिस्सा है, भारत में वापस आ जाए। जयशंकर ने कहा कि लोगों ने बस यह मान लिया

कि 370 (अनुच्छेद) को नहीं बदला जा सकता है और यह कुछ ऐसा है जिसे हमें स्वीकार करना होगा। अब एक बार जब हम इसे बदल देते हैं, तो पूरी जमीनी स्थिति बदल जाती है। उन्होंने कहा कि पीओके के संबंध में मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि संसद में एक प्रस्ताव है और देश की हर राजनीतिक पार्टी यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि पीओके जो भारत का हिस्सा है, वह भारत को वापस मिल जाए। "लेकिन मैं एक बात जरूर कहना चाहता हूं, 10 साल पहले या यहां तक कि 5 साल पहले भी लोग हमसे यह नहीं पूछते थे। जब हमने 370 को खत्म कर दिया, तो अब लोग समझते हैं कि पीओके भी महत्वपूर्ण है। ये टिप्पणियां रविवार को जयशंकर के उस बयान के बाद आई हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि पीओके कभी भी भारत से बाहर नहीं रहा है और लोगों को इसके बारे में भुला दिया गया है। ओडिशा के कटक में एक कार्यक्रम के दौरान एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पीओके कभी भी इस देश से बाहर नहीं रहा है। यह इस देश का हिस्सा है. भारतीय संसद का प्रस्ताव है कि पीओके पूरी तरह से भारत का हिस्सा है।

मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत की बात होती है - जेपी नड्डा

हिमाचल प्रदेश, एजेंसी। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने विशाल जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान नड्डा ने कहा कि आपकी ये उर्जा, उत्साह, उमंग और खुशी देखकर ये स्पष्ट हो गया है कि आपने मंडी से कंगना रनौत को चुनाव जिताकर दिल्ली भेजने का मन बना लिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि ये चुनाव सिर्फ कंगना जी को सांसद बनाने का नहीं है, बल्कि ये चुनाव मोदी जी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का चुनाव है और आपको मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाना है। अपने गृह राज्य में संबोधन के दौरान नड्डा ने कहा कि कांग्रेस के जमाने में फूट डालो और शासन करो की राजनीति होती थी, धर्म और जाति के आधार पर राजनीति होती थी, वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति होती थी। वहीं अब सैम पित्रोदा ने भारत को चमड़ी के आधार पर विभाजित करने की योजना बना ली है, लेकिन मोदी जी ने राजनीति की परिभाषा, राजनीति की संस्कृति, राजनीति की सोच बदल डाली है। आज मोदी

जी के नेतृत्व में विकसित भारत की बात होती है। हमारा मंत्र है– सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। नड्डा ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में भारत, 200 वर्षों तक राज करने वाले ब्रिटेन को पछाड़कर दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। मोदी जी के तीसरे कार्यकाल में भारत, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। उन्होंने कहा कि इस देश में टिटनेस की दवा आने में 30 साल लग गए, डिप्थीरिया की दवा आने में 29 साल लग गए, ट्यूबरक्लोसिस की दवा को आने में 25 साल लग गए, जापानी बुखार की दवा आने में 100 साल लग गए। लेकिन मोदी जी ने 9 महीने में कोरोना की दो–दो वैक्सीन बनाकर देश को बचाने का काम किया। 48 देशों को हमने वैक्सीन मुफ्त में दी। आज भारत मोदी जी के नेतृत्व में देने वाला भारत बन गया है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मोदी जी के नेतृत्व में आज हमारी सेना दुश्मनों के घर में घुसकर मारती है। मोदी जी के शासन में उरी की घटना घटी... हमारी सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक करने पाकिस्तान के घर में घुसकर बदला लिया। पुलवामा की घटना घटी... 10 दिन बाद ही बालाकोट में एयर स्ट्राइक करके हमारी सेना ने दुश्मनों के सारे ठिकाने ढेर कर दिए। उन्होंने कहा कि इंडिया अलायंस में वो पार्टियां हैं जो भ्रष्टाचार और परिवारवाद से ग्रसित हैं। ये लोग कहते हैं– भ्रष्टाचारियों को बचाओ, मोदी जी कहते हैं।

मायावती ने आकाश आनन्द को अपने उत्तराधिकारी और बसपा समन्वयक के दायित्वों से मुक्त किया

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को अपने उत्तराधिकारी और पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक (नेशनल कोऑर्डिनेटर) की जिम्मेदारियों से मुक्त कर दिया। बसपा प्रमुख ने पिछले वर्ष दिसंबर माह में आकाश आनन्द को अपना उत्तराधिकारी घोषित किया था और उन्हें हटाने का यह आश्चर्यजनक फैसला उस वक्त आया जब देश में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के लिए मतदान संपन्न हो गया। पार्टी और आंदोलन के हित में और आनन्द के पूर्ण परिपक्वता हासिल करने तक उन्होंने यह निर्णय लिया है। एक्स पर पोस्ट किये गये अपने एक संदेश में कहा, बसपा एक पार्टी के साथ ही बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के आत्म–सम्मान, स्वाभिमान तथा सामाजिक परिवर्तन का भी आंदोलन है, जिसके लिए कांशीराम जी व खुद मैंने भी अपनी पूरी जिंदगी समर्पित की है और इसे गति देने के लिए नई पीढ़ी को भी तैयार किया जा रहा है। अपने सिलसिलेवार पोस्ट में अन्य लोगों को आगे बढ़ाने के साथ ही आकाश आनन्द को राष्ट्रीय समन्वयक व अपना उत्तराधिकारी घोषित किया लेकिन पार्टी व आंदोलन के व्यापक हित में पूर्ण परिपक्वता आने तक अभी उन्हें इन दोनों अहम जिम्मेदारियों से अलग किया जा रहा है। बसपा प्रमुख ने अपने भाई और आनन्द के पिता के संदर्भ में एक पोस्ट में कहा, ''हालांकि इनके पिता आनन्द कुमार पार्टी व आंदोलन में अपनी जिम्मेदारी पहले की तरह ही निभाते

रहेंगे। अतः बसपा का नेतृत्व पार्टी व आंदोलन के हित में और बाबा साहेब डॉ. आंबेडकर के कारवां को आगे बढ़ाने में हर प्रकार का त्याग व कुर्बानी देने से पीछे नहीं हटने वाला है। एक चुनावी रैली में आपत्तिजनक का इस्तेमाल करने के आरोप में बसपा प्रमुख मायावती के भतीजे आकाश आनंद और चार अन्य के खिलाफ आदर्श आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से सत्य की जीत हुई और मन को शांति मिली – ममता बनर्जी

कोलकाता, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एसएससी भर्ती भ्रष्टाचार मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले को सच्चाई की जीत बताया। आरामबाग से तृणमूल उम्मीदवार मिताली बाग के समर्थन में मुख्यमंत्री ने एसएससी के फैसले को लेकर कहा कि इससे 26,000 बच्चों की नौकरियां चली गईं। उन्होंने वेतन लौटाने को कहा। मैंने उस दिन से कहा, चिंता मत करो। मैं तुम्हारे बगल में हूँ। मैं दुर्गापुर में मार्च कर रही थी लेकिन मेरा मन सुप्रीम कोर्ट पर था। मैं फैसले को लेकर चिंतित थी। ममता बनर्जी ने कहा कि फैसला सुनकर मन संतुष्ट हो गया। मन की शांति मिली। मैंने कहा, सत्य की जीत होगी। ये लोग नहीं, बल्कि राक्षस हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च

न्यायालय के 22 अप्रैल के आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें पश्चिम बंगाल के सरकारी और राज्य सहायता प्राप्त स्कूलों में 25,753 शिक्षकों और गैर–शिक्षण कर्मचारियों की नियुक्तियों को अमान्य कर दिया गया था। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति की पीठ ने कहा कि चूंकि टेंटेड अप्वाइंटमेंट को अलग किया जा सकता है।

संपादकीय

साम्राज्यवादी नीतियां

आज हम गाजा से संबंधित एक अद्भुत दोहरी घटना देख रहे हैंरू फासीवादी बेंजामिन नेतन्याहू शासन, महानगरीय शक्तियों के एक समूह द्वारा समर्थित, फिलिस्तीनियों का कत्लेआम कर रहा है, और उन्हें जानवरों से बेहतर नहीं घोषित कर रहा हैय लेकिन दुनिया भर में आम लोग स्वतःस्फूर्त रूप से विरोध में उठ रहे हैं, फिलिस्तीनियों के साथ एकजुट हो रहे हैं और इस नरसंहार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। यदि पहला, उस भयावह दुनिया का प्रतिनिधित्व करता है जिसमें हम रहते हैं, किसी को घृणा से भर देता है, तो दूसरा, शांति और भाईचारे की एक नई दुनिया का प्रतिनिधित्व करते हुए, उसे आशा से भर देता है। विशेष महत्व इस बात का है कि वर्तमान में अमेरिकी विश्वविद्यालयों में व्यापक प्रदर्शन हो रहे हैं और मांग की जा रही है कि इन संस्थानों को इजराइल और उसके सैन्य परिसर से जुड़ी कंपनियों में निवेश किए गए धन को निकालना चाहिए। कई लोग इन प्रदर्शनों और वियतनाम युद्ध विरोधी प्रदर्शनों के बीच समानताएं देखते हैं, जिन्होंने साठ के दशक के अंत में अमेरिकी परिसरों को हिलाकर रख दिया था। लेकिन वर्तमान आंदोलन पहले वाले आंदोलन से भी अधिक महत्वपूर्ण हैय सबसे पहले, क्योंकि अब इसमें कोई मसौदा शामिल नहीं है और इसलिए, छात्रों के कार्यों के पीछे स्व–हित का जरा भी एहसास नहीं हैय और दूसरा, क्योंकि यह मुसलमानों को श्अन्यश के रूप में बदनाम करने, इस्लामोफोबिया की लंबी अवधि के मद्देनजर आता है, और इस तरह के निर्मित विरोध से विचलित नहीं होता है। इसके विरुद्ध हमारे पास 1950 के दशक की याद दिलाने वाली मैक्कार्थी शैली के दमन का पुनरुद्धार भी है। इस तरह के दमन का इस आधार पर बचाव किया जाता है कि गाजा एकजुटता शिविर यहूदी–विरोधी भावना व्यक्त करता हैय हालाँकि, यह बेतुका है क्योंकि यह नरसंहार विरोधी आंदोलन को यहूदी विरोधी के रूप में चित्रित करता है, और बड़ी संख्या में यहूदी छात्रों की इसमें भागीदारी के बावजूद ऐसा करता है। हो सकता है कि कुछ सीमांत तत्वों द्वारा छिटपुट यहूदी विरोधी टिप्पणियाँ की गई हों (ऐसे तत्व हर जगह पाए जा सकते हैं), लेकिन आंदोलन को यहूदी विरोधी कहना, जैसा कि आंदोलनकारी छात्रों ने कहा है, यहूदी विरोधी भावना को हथियार बनाना है। वास्तव में, दमन के पैरोकारों के बीच यहूदी विरोधी भावना कहीं अधिक प्रचलित होने की संभावना है, जिनमें से कई के संयुक्त राज्य अमेरिका और विदेशों में ज्ञात फासीवादी तत्वों (जैसे यूक्रेन में स्टीफन बांदेरा के अनुयायी) के साथ संबंध रहे हैं। अमेरिका में मौजूदा दमन को श्मैकार्थीवादीश कहने का बचाव इस आधार पर किया जा सकता है कि, पचास के दशक की तरह, अति–दक्षिणपंथी रिपब्लिकन सांसदों का एक समूह इसमें सबसे आगे हैय लेकिन अंतर भी महत्वपूर्ण हैं। वर्तमान में प्राथमिक लक्ष्य कला नहीं बल्कि विश्वविद्यालय हैंय कई विश्वविद्यालयों के अध्यक्षों को दक्षिणपंथी सांसदों द्वारा बुलाया गया है, आंदोलनकारी छात्रों के खिलाफ पुलिस का उपयोग करने के लिए कहा गया है, और यदि वे ऐसा करने में संकोच करते हैं, तो उन्हें इस्तीफा देने के लिए कहा गया है। ताजा मामला कोलंबिया विश्वविद्यालय से जुड़ा है जिसके अध्यक्ष ने छात्रों द्वारा लगाए गए शिविरों को हटाने के लिए न्यूयॉर्क पुलिस को परिसर में बुलायाय इसने लगभग 100 आंदोलनकारी छात्रों को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन, चूंकि आंदोलन अभी भी कम नहीं हुआ, एलिस स्टेफनिक के नेतृत्व में कांग्रेस के दस सदस्यों ने राष्ट्रपति के इस्तीफे की मांग की है। इसके अलावा, पचास के दशक का मैककार्थीवाद शीत युद्ध के संदर्भ में उभरा था और इसके निशाने पर कम्युनिस्ट थे। आज के दमन का कोई ऐसा विशिष्ट लक्ष्य नहीं है यह वास्तव में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के विरुद्ध है। गाजा की स्थिति से निपटने के बावजूद, उसका मानना है कि अगर वह अमेरिकी साम्राज्यवादी नीतियों की आलोचना करता है तो अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में कटौती की जानी चाहिएय छात्रों और शिक्षकों को वास्तविक दुनिया से अपनी आंखें बंद कर लेनी चाहिए, जहां नरसंहार, उपनिवेशवादी उपनिवेशवाद और रंगभेद है, अगर ये सब अमेरिकी समर्थन के साथ एक अमेरिकी सहयोगी द्वारा किया जाता है। इसलिए, अमेरिकी दक्षिणपंथ का वर्तमान प्रयास विश्वविद्यालयों की प्रकृति को बदलने का है ताकि सच बोलना उनका घोषित उद्देश्य न रह जाए। यह महत्वपूर्ण है कि परिसर में पुलिस दमन की वकालत करने वाले किसी भी व्यक्ति ने यह तर्क नहीं दिया है कि छात्र जो कह रहे हैं वह गलत है, कि गाजा में कोई नरसंहार नहीं हो रहा है, या कि गाजा में मौतों की रिपोर्ट अतिरंजित हैय छात्रों का विरोध इस बात की सत्यता पर नहीं है कि वे क्या कह रहे हैं, बल्कि इस आधार पर है कि उनका कथित मकसद, जो उन्हें (यहूदी–विरोध) बताया गया है, गलत है। इस मिसाल पर अमेरिकी साम्राज्यवाद से जुड़े किसी भी अप्रिय सत्य पर छात्रों और शिक्षकों द्वारा पीड़ा की कोई भी अभिव्यक्ति समाज में चर्चा को आमंत्रित नहीं करेगी, बल्कि इसी तरह के दंडात्मक उपायों को आमंत्रित करेगी जब तक कि विश्वविद्यालय साम्राज्यवाद के उत्पीड़न के प्रति पूरी तरह से असंवेदनशील न हो जाएं। यह शिक्षा क्षेत्र में सबसे अधिक जानकार और नैतिक रूप से संवेदनशील समूह, यानी शिक्षकों और छात्रों को समाज में अपनी वैध महत्वपूर्ण भूमिका निभाने से दूर कर देगा। गाजा नरसंहार की आलोचना को चुप कराना केवल अमेरिका तक ही सीमित नहीं हैय यह सभी महानगरीय देशों में व्याप्त है। बर्लिन में, पुलिस ने 12 अप्रैल को फिलिस्तीन पर आयोजित एक कांग्रेस पर धावा बोल दिया, 20 अप्रैल को इसी हमले के खिलाफ एक प्रदर्शन को तोड़ दिया।

तप, शक्तिएवं मंगल का पर्व है अक्षय तृतीया

ललित

अक्षय तृतीया महापर्व का न केवल सनातन परम्परा में बल्कि जैन परम्परा में विशेष महत्व है। इसका लौकिक और लोकोत्तर–दोनों ही दृष्टियों में महत्व है। यह त्यौहार से पोषित ऐसे अक्षय बीजों को बोने का दिन है जिनसे समयान्तर पर प्राप्त होने वाली फसल न सिर्फ सामाजिक उत्साह को शतगुणित करने वाली होगी वरन अध्यात्म की ऐसी अविरल धारा को गतिमान करने

अध्यात्म, आरोग्य, मंगल एवं उपवास का विलक्षण संगम है। इस त्यौहार के साथ–साथ एक अबूझा मांगलिक एवं शुभ दिन भी है, जब बिना किसी मुहूर्त के विवाह एवं मांगलिक कार्य किये जा सकते हैं। विभिन्न सांस्कृतिक एवं मांगलिक ढांचों में ढले अक्षय तृतीया पर्व में हिन्दू–जैन धर्म, संस्कृति एवं परम्पराओं का अनूठा संगम है। रास्ते चाहे कितने ही भिन्न हों पर इस पर्व के प्रति सभी जाति, वर्ग, वर्ण, सम्प्रदाय और धर्मों का आदर–भाव अभिन्नता में एकता का प्रिय संदेश दे रहा है। युद्ध, हिंसा एवं महामारी के समय में संयम एवं तप की अक्षय परम्परा को जन–जन की जीवनशैली बनाने की जरूरत है। अक्षय तृतीया का पावन पवित्र त्यौहार निश्चित रूप से धर्माराधना, त्याग, तपस्या आदि वाली भी होगी जिससे सम्पूर्ण मानवता सिर्फ कुछ वर्षों तक नहीं पीढ़ियों तक स्नात होती रहेगी। अक्षय तृतीया के पवित्र दिन पर हम सब संकल्पित बनें कि जो कुछ प्राप्त है उसे अक्षुण्ण रखते हुए इस अक्षय भंडार को शतगुणित करते रहें। यह त्यौहार हमारे लिए एक सीख बने, प्रेरणा बने और हम अपने आपको सर्वोतमुखी समृद्धि की दिशा में निरंतर गतिमान कर सकें। अच्छे संस्कारों का ग्रहण और गहरापन हमारी संस्कृति बने, तभी अक्षय तृतीया पर्व की सार्थकता होगी। अक्षय तृतीया इस वर्ष 10 मई, 2024 को है। यह दिन किसानों एवं कुंभकारों के लिए विशेष महत्व का दिन हैं। शिल्पकारों के लिए भी यह बहुत महत्व का दिन है। बैलों के लिए भी बड़े महत्व का दिन है। प्राचीन समय से यह परम्परा रही है कि आज के दिन राजा अपने देश के विशिष्ट किसानों को राज दरबार में आमंत्रित करता था और उन्हें अगले वर्ष बुवाई के लिए विशेष प्रकार के बीज उपहार में देता था। लोगों में यह धारणा प्रचलित थी कि उन बीजों की बुवाई करने वाले किसान के धान्य–कोष्ठक कभी खाली नहीं रहते। यह इसका लौकिक दृष्टिकोण है। लोकोत्तर दृष्टि से अक्षय तृतीया पर्व का संबंध जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभ के साथ जुड़ा हुआ है। तपस्या हमारी संस्कृति का मूल तत्व है, आधार तत्व है। हिन्दु धर्म में उपवास व्रत के रूप में प्रतिष्ठित है। विशिष्ट तिथियों, पर्वों, त्यौहारों पर विविध उद्देश्यों एवं कामनाओं की पूर्ति के लिये उपवास किये जाते हैं। इस्लाम में नमाज, जकात, हज आदि बुनियादी धार्मिक कृत्यों में एक है रोजा। रोजा का अर्थ बताया गया– रुक जाना। कुरआने करीम–रोजा सब मुसलमानों का फर्ज है। रोजा उपवास का एक रूप है, जो चांद एवं तारों की साक्षी से खोला जाता है। इसी प्रकार साइबेरिया, अमरीकन– इंडियन कबीलों एवं युनाइटेड स्टेट्स के उत्तरी–पश्चिमी इलाकों में भी किसी–न–किसी रूप में उपवास किये जाते हैं– ऐसा शोधार्थी मानते हैं। उनका विश्वास है, उपवास के समय ईश्वर सपनों के माध्यम से दैवीय शिक्षा देते हैं। पेरु में पादरी के समक्ष पापों को स्वीकारने के लिये उपवास जरूरी माना जाता है। जूडेइज्म में प्रायश्चित के दिन एवं अन्य अवसरों पर उपवास का विधान है। इन सब तथ्यों का निष्कर्ष है कि उपवास सभी धर्मों और सभी देशों में धार्मिक आस्था के साथ हुआ व्यापक उपक्रम है। कहा जाता है कि संसार की जितनी समस्याएं हैं तपस्या एवं उपवास से उनका समाधान संभव है। संभवतः इसीलिए लोग विशेष प्रकार की तपस्याएं करते हैं और तपस्या के द्वारा संसार की आध्यात्मिक एवं भौतिक दोनों संपदाओं को हासिल करने का प्रयास करते हैं। जैन धर्म में वर्षीतप यानी एक वर्ष तक तपस्या करने वाले साधक इसदिन से तपस्या प्रारंभ करके इसी दिन सम्पन्न करते हैं। यह संसार से मोक्ष की मुस्कान, शरीर को तपाने और आत्मस्थ करने का अवसर है। अक्षय तृतीया तप, त्याग और संयम का प्रतीक पर्व है। इसका सम्बन्ध भगवान ऋषभदेव के युग और उनके कठोर तप से जुड़ा होने से वर्षीतप की परम्परा चली। यह ऋषभ की दीर्घ तपस्या के समापन का दिन है। अपने आदिदेव की स्मृति में जैन धर्म के विभिन्न सम्प्रदायों में असंख्य श्रावक–श्राविकाएं वर्षीतप करते हैं। जिनकी तपस्या का पूर्णाहुति एवं नये वर्षीतप के संकल्प के लिये इस दिन देशभर में आचार्यों और मुनियों के सान्निध्य में अनेक आयोजन होते हैं। इसका मुख्य आयोजन हस्तिनापुर (जिला मेरठ– उत्तर प्रदेश) में श्री शांतिनाथ जैन मन्दिर में एवं प्राचीन नसियांजी, जो भगवान ऋषभ के पारणे का मूल स्थल पर आयोजित होता है, वहां पर देशभर से हजारों तपस्वी एकत्र होते हैं और अपनी तपस्या का पारणा करते हैं। सभ्यता और संस्कृति की विकास यात्रा का नाम है ऋषभ। वे सम्राट से संन्यासी बने, उनके प्रति जनता में गहरा आदर भाव था। यही कारण रहा कि उनके प्रजाजनों को इस बात का ज्ञान नहीं था कि भगवान ऋषभदेव को भिक्षा में भोजन की भी आवश्यकता होगी। भगवान ऋषभ प्रतिदिन शुद्ध आहार की गवेषणा एवं तलाश करते हुए घर–घर में घूमते, लेकिन अज्ञानता के सघन आवरण के कारण कोई भी उन्हें भोजन उपहृत नहीं करता। लोग उन्हें आदर के साथ हाथी, घोड़े, रथ, रत्नाभूषण, रत्न जड़ित पादुकाएं ग्रहण करने की प्रार्थना करते। उनका मत था कि वे अपने सृजनहार को अपने पास की सबसे बड़ी एवं कीमती वस्तु उपहृत करें। इस तरह बिना आहार के भगवान ऋषभ की तपस्या के बारह महीने पूरे हो गए। इस क्रम में आप पादविहार करते हुए हस्तिनापुर पधारते हैं। आपका प्रपौत्र श्रेयांस कुमार राजमहल के गवाक्ष में बैठा सड़क के दृश्य को देख रहा है। अचानक उसकी नजरें सड़क पर भिक्षा की गवेषणा में नंगे पैर घूमते अपने संसारपक्षीय परदादा भगवान ऋषभदेव पर पड़ती है। भगवान ने प्रपौत्र श्रेयांस के हाथों इक्षुरस का सुपात्र दान लेकर एक नई परम्परा की शुरूआत की। इन अप्रत्याशित क्षणों के साक्षी बनकर देवलोक से समागत देवतागण भी अहोदानं–अहोदानं की ध्वनि प्रकट करते हुए पांच प्रकार के द्रव्यों की वर्षा की। एक दृष्टि से धर्म क्षेत्र में नयी सोच के दर्शन कराने वाला दिन बन गया। यही सन्दर्भ तपस्या और साधना का शुभ मुहूर्त बन गया। प्रतीकात्मक रूप में इसे वर्ष भर तक एकांतर तप (एक दिन छोड़कर पुनः उपवास) की साधना के साथ मनाये जाने की परम्परा ने विगत कुछ वर्षों में काफी जोर पकड़ा है। तपस्या को जैन धर्म साधना में अत्यन्त महत्पूर्ण स्थान दिया जाता है।

मोक्ष के चार मार्गों में तपस्या का स्थान कम महत्वपूर्ण नहीं है। तपस्या आत्मशोधन की महान प्रक्रिया है और इससे जन्म जन्मांतरों के कर्म आवरण समाप्त हो जाते हैं। जरूरत इस बात की है कि इसकी साधना से जीवन विकास की सीख हमारे चरित्र की साख बने। हममें अहं नहीं, निर्दोष शिशुभाव जागे। यह आत्मा के अभ्युदय की प्रेरणा बने। सनातन धर्म में इसी दिन शादियों के भी अबूझ एवं स्वयंसिद्ध मुहूर्त रहता है और थोक में शादियां होती है। अक्षय तृतीया को आखा तीज भी कहा जाता है। माना जाता है।

द्विध्रुवीय मुकाबला बनाने के लिए 3 दलों ने गठबंधन

आदित्य

पश्चिम बंगाल में चुनावी लड़ाई मंगलवार को तीसरे चरण के मतदान के साथ दक्षिण की ओर बढ़ रही है, जब भाजपा विरोधी एकजुटता की राजनीतिक रणनीति में शांत बदलाव पूरी ताकत से सामने आएगा, जिससे नरेंद्र मोदी–अमित शाह की 20–35 सीटें जीतने की काल्पनिक महत्वाकांक्षा को खतरा होगा। राज्य की 42 संसदीय सीटें. अगले पांच चरणों में जिन 36 सीटों पर चुनाव होंगे, वहां मुकाबला प्रतिस्पर्धी और त्रिकोणीय होगा। 2024 का चुनाव अलग हैरू इस बार, तृणमूल कांग्रेस, कांग्रेस और सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा भाजपा को हराने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। एक समान शत्रु होने से प्रतियोगियों के लिए चुनाव आसान नहीं हो जाता। हालाँकि, इससे मतदाताओं के लिए चयन करना आसान हो जाता है, क्योंकि लड़ाई में केवल दो पक्ष हैं – भाजपा के खिलाफ या अन्य तीन में से किसी एक के लिए। पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक हलचल है कि सीपीआई (एम) भाजपा के लिए अपने वोटों के बहिर्वाह को उलट कर एक छोटी लेकिन महत्वपूर्ण वापसी करने के लिए तैयार है, जो 2019 के लोकसभा और 2021 के विधानसभा चुनावों में स्पष्ट था। 2014 में 17 प्रतिशत से बढ़कर, 2019 में बीजेपी के वोट शेयर में 40 प्रतिशत से अधिक की बड़ी उछाल इसलिए हुई, क्योंकि सीपीआई (एम) के वोट शेयर में भारी गिरावट आई थी – 2014 में लगभग 30 प्रतिशत से 7.5 प्रतिशत तक। 2019 में, बड़ी संख्या में मतदाता दाहिनी ओर चले गए और एक छोटी संख्या तृणमूल की ओर चली गई। कांग्रेस और सीपीआई (एम) 2021 के राज्य विधानसभा चुनावों में एक भी सीट जीतने में विफल रहेय 2019 में, सीपीआई (एम) शून्य पर सिमट गई और कांग्रेस ने दो सीटें बचा लीं, जिनमें पार्टी के पूर्व लोकसभा नेता प्रतिपक्ष अधीर रंजन चौधरी का बहरामपुर निर्वाचन क्षेत्र, जो 1999 से उनके पास है, और मालदह दक्षिण, परिवार का गढ़ शामिल है। महान ए बी ए गनी खान चौधरी। उम्मीद है कि सीपीआई (एम) पश्चिम बंगाल में भाग्य परिवर्तन के जरिए भारतीय राजनीति के केंद्र में लौटेगी, जिसकी शुरुआत मुर्शिदाबाद से होगी, जहां राज्य सचिव और पोलित ब्यूरो सदस्य मोहम्मद सलीम भाजपा के गौरी शंकर घोष और तृणमूल के मौजूदा अबू ताहेर खान के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। . एक मजबूत दावेदार के रूप में सीपीआई (एम) का फिर से प्रवेश भाजपा के लिए बुरी खबर होगी। 2021 और 2019 में मतदाताओं का सीपीआई (एम) से भाजपा की ओर झुकाव स्पष्ट हुआ और इसने पश्चिम बंगाल में बड़ी जीत हासिल करने की उसकी महत्वाकांक्षाओं को पूरा किया। इसने पश्चिम बंगाल की चुनावी राजनीति को त्रिकोणीय या चतुष्कोणीय मुकाबले से द्विध्रुवीय मुकाबले में बदल दिया। धारणा यह है कि सीपीआई (एम) के मतदाता और उसके कार्यकर्ता पार्टी में लौट रहे हैं। धारणा यह भी है कि सीट बंटवारे की व्यवस्था के तहत वोट कांग्रेस से सीपीआई (एम) को स्थानांतरित हो जाएंगे। और फिर एक राजनीतिक संदेश है जो तीनों दल 2024 के चुनाव को भाजपा विरोधी एकजुटता में बदल कर दे रहे हैं। मुर्शिदाबाद को उम्मीद है कि इससे मोहम्मद सलीम को जीत मिलेगी। इसका मतलब यह है कि शेष 36 सीटों पर मतदाताओं को भाजपा को हराने के लिए सबसे अच्छे उम्मीदवार को चुनने के लिए रणनीति के तहत निर्णय लेने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। तृणमूल, कांग्रेस और सीपीआई (एम) के अभियानों ने भाजपा पर अपने हमलों को केंद्रित करने के लिए बदलाव किया है, इसे पश्चिम बंगाल विरोधी बताया है। उल्लेखनीय रूप से, तीनों दलों के पास मोदी शासन की विफलताओं और इसकी सांप्रदायिक रूप से विभाजनकारी नीतियों – बेरोजगारी, असमानता, मूल्य वृद्धि, भ्रष्टाचार, मंदिर की राजनीति और महिलाओं के लिए चयनात्मक सहानुभूति – को कवर करने वाली समान सूचियाँ हैं। मतदाताओं की पसंद एक बड़े सवाल पर सिमट गई हैरू क्या भाजपा प्रतिनिधि को चुनने से पश्चिम बंगाल को फायदा होगा या नुकसान होगा? मतदाताओं को यह याद दिलाकर कि केंद्र ने हमेशा पश्चिम बंगाल के साथ भेदभाव किया है, उसके साथ सौतेला व्यवहार किया है, जैसा कि पूर्व वित्त मंत्री अशोक मित्रा ने कहा था, तीनों ने गहरे अविश्वास को जन्म दिया है। 17वीं लोकसभा में ममता बनर्जी के नेतृत्व में कांग्रेस, सीपीआई (एम) और तृणमूल के समन्वित प्रयास, कि मोदी शासन ने जानबूझकर मनरेगा नौकरियों और आवास सब्सिडी के लिए लोगों के पैसे रोक दिए, ने पिछले अन्याय की यादें ताजा कर दीं। सीपीआई (एम) ने अपनी घटती राजनीतिक पूंजी और संसाधनों को बिखेरने के बजाय, अपने प्रयासों को 10 सीटों पर केंद्रित किया है, ये सभी दक्षिण बंगाल में हैं। कुछ सीटों पर, जैसे कि सेरामपुर, जो कि तृणमूल नेता कल्याण बनर्जी के पास है, और जादवपुर, जहां सत्तारूढ़ पार्टी की युवा आइकन सायोनी घोष उम्मीदवार हैं, सीपीआई (एम) ने फैसला किया है कि उसे फिर से जमीन हासिल करने की जरूरत है। रणनीति छोटे मतदाताओं को जीतना और अन्य स्थानों पर मतदाताओं, विशेषकर युवा मतदाताओं को फिर से हासिल करना है। जैसा कि पार्टी प्रमुख सलीम स्वीकार करते हैं, सीपीआई (एम) ने भारी संख्या में उन मतदाताओं का विश्वास खो दिया है जो उन परिवारों से थे जिन्होंने पीढ़ियों से पार्टी का समर्थन किया था। पार्टी ने जादवपुर जैसे शहरी गढ़ों में समर्थन खो दिया, जैसे उसने हुगली और पुराने बर्दवान जिले में ग्रामीण गढ़ों में समर्थन खो दिया, जो अब दो में विभाजित हो गए हैं। विपक्षी एकजुटता की पीठ पर सवार होकर, सीपीआई (एम) ग्रामीण आधार को पुनर्जीवित करने और शहरी मतदाताओं के साथ फिर से जुड़ने पर काम कर रही है। ऐसा लगता है कि उसने उन निर्वाचन क्षेत्रों पर अपनी उम्मीदें लगा रखी हैं जहां कई कारणों से तृणमूल कमजोर दिखाई देती है, और इस उम्मीद में कि कांग्रेस के वोट उसे लाभ पहुंचाने के लिए स्थानांतरित हो जाएंगे।

भारत की प्रतिष्ठा में गिरावट

विनोद

कनाडा के प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो द्वारा अपनी संसद में वैंकूवर के पास एक सिख अलगाववादी की हत्या के संबंध में भारत पर आरोप लगाने के लगभग आठ महीने बाद, नई दिल्ली के गुप्त अभियान बढ़ती संख्या में देशों की जांच के दायरे में आ रहे हैं। नरेंद्र मोदी सरकार संयुक्त राज्य अमेरिका में अभियोजकों द्वारा लगाए गए आरोपों की जांच करने का दावा करती है कि भारतीय खुफिया अधिकारी इस बार न्यूयॉर्क में एक और सिख अलगाववादी की हत्या के प्रयास – और असफल – में शामिल थे। पिछले हफ्ते, वाशिंगटन पोस्ट ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसमें एक भारतीय खुफिया अधिकारी का नाम लेते हुए उस पर साजिश रचने का आरोप लगाया गया था और दावा किया गया था कि भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार, अजीत डोभाल – जो श्री मोदी के साथ अपनी निकटता के लिए जाने जाते हैं – को इस योजना के बारे में जानकारी हो सकती है। भले ही विदेश मंत्रालय ने रिपोर्ट को अटकलबाजी और गैर–जिम्मेदाराना बताया – बिना किसी तथ्यात्मक अशुद्धि की ओर इशारा किए – अन्य समाचार रिपोर्टें सामने आईं, इस बार ऑस्ट्रेलिया से। उन्होंने दावा किया कि ऑस्ट्रेलिया की जासूसी एजेंसी ने भारतीय जासूसों के एक नेटवर्क का खुलासा किया है, जिन पर रहस्य चुराने और प्रवासी भारतीयों के कुछ वर्गों की निगरानी करने का संदेह है। रिपोर्टों से पता चलता है कि कैनबरा ने नई दिल्ली को जासूसों को बाहर निकालने के लिए कहा – और भारत ने ऐसा किया। कनाडा में, अधिकारियों ने 2023 की हत्या के सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है, जिससे भारत को याद दिलाया गया है कि उस मामले के भूत अभी भी दबे नहीं हैं। इन सबके बीच, भारत सरकार की प्रतिक्रिया कनाडा के खिलाफ आक्रामक जवाबी– आरोपों और अमेरिका के साथ सावधानीपूर्वक शब्दों में व्यक्त प्रतिबद्धताओं का मिश्रण रही है। इसने कनाडा पर सिख अलगाववादियों को बढ़ावा देने और उनके आंदोलन को सुविधाजनक बनाने का आरोप लगाया है। अमेरिका के साथ, उसने आरोपों की जांच का वादा किया था लेकिन जांच में क्या पाया गया, इसके बारे में कुछ भी पता नहीं है।

भारत तिब्बत के आजादी आंदोलन का समर्थन करें

आसिफ

कभी चीन का व्यवहार हमें परेशानी कर रहा है।वह सीमापर घुंसपैंठ करता।क्षेत्र के अंदर आए भारत के भाग में जमता और सौदेबाजी करता। किंतु अब ये बदलता भारत है। बकौल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब भारत दुश्मन को उसके घर में घुंसकर मार रहा है । परिणाम है कि आज चीन की आंखों में आंखे डालकर बात की जा रही है। सूचनाएं हैं कि चीन भारत की ब्रह्मोस से डरा हुआ है जब से भारत का शक्तिशाली ब्रह्मोस मिसाइल चीन के करीब तैनात की हैं और चीन के दुश्मन फिलीपींस को दी हैं,तबसे चीन दहशत में हैं। चीन ब्रह्मोस का काट नही निकाल पा रहा है। वह जानता है कि उसके सारे हथियार भी एक बार फायर की गई ब्रहमोस को नही रोक सकते। ब्रह्मोस की काट निकालने के लिए चीन फिलीपींस को डराने के की कोशिश में जुटा है। चीन ने फिलीपींस के बेहद करीब अपने ड्रोन को भेजा है ताकि फिलीपींस डर जाए। लेकिन चीन का ये कदम बताता है कि असली डर फिलीपींस को नहीं बल्कि चीन को है क्योंकि अब साउथ चाइना सी के बिल्कुल करीब अमेरिकी सेनाएं भी आ गई हैं। भारत पहले ही चीन के शत्रु देश वियतनाम की पीपुल्स नेवी को अपना अधुनिक युद्धपोत आईएनएस कृपाण का हस्तांतरण कर चुका है।इस युद्ध पोत पर आधुनिक मिजाइल तैनात हैं।दरअस्ल अब तक चीन भारत को घेरने में लगा था।वह भारत के दुश्मन देशों को आधुनिक अस्त्र. शस्त्र की आपूर्ति करने में लगा था। अब ऐसा उसके साथ हो रहा है तो वह परेशान है। चीन भारत में अशांति फैलाने वाले नक्सलाइड, मिजों एव अन्य आंतकियों को आधुनिक शस्त्रों की आपूर्ति करता रहा है।सूचनाएं रही हैं कि उन्हे प्रशिक्षणा भी दे रहा है।ऐसे में समय की मांग है कि भारत अब चीन के विरूद्ध चल रहे तिब्बत के पूर्ण स्वतंत्रता के आंदोलन का खुलकर समर्थन करें।जरूरत पड़ने पर तिब्बती के आजादी के आंदोलन के लड़ाकों को शस्त्र के साथ प्रशिक्षण भी दे। भारत की नही चीन के रवैये से दुनिया के लगभग सभी देश परेशान हैं।इसी कारण फिलीपींस और अमेरिकी सेना का साझा युद्धाभ्यास हाल में शुरू हुआ। इस मिलिट्री ड्रील में जापान की सेनाएं भी शामिल हो रही हैं। 16000 हजार सैनिक साझा युद्धभ्यास में शामिल हैं। सबसे बड़ी बात कि फ्रांस और ऑस्ट्रेलिया के सैनिक भी कुछ दिन में इस ज्वाइंट एक्सरसाइज से रहेंगे। मतलब पांच देश चीन को घेरने के लिए एक साथ होंगे। इस ड्रील में समुद्री और हवाई हमलों का अभ्यास किया जाएगा। भारत के ब्रह्मोस देने के बाद से चीन परेशान है। अभी तो ब्रह्मोस्त्र तैनात भी नही हुई होंगी कि चीन परेशान है। वह फिलीपींस पर द्रोण उड़ाकर उसे धमका रहा है।सवाल है कि क्या ड्रोन के जरिए चीन ब्रह्मोस के बारे में जानकारी जुटाना चाहता है। सवाल तो ये भी है कि क्या चीन उस ठिकाने का पता लगाना चाहता है, जहां फिलीपींस ब्रह्मोस को तैनात करेगी। चीन ने ड्रोन के अलावा समंदर में मिलिट्री ड्रील के जरिए भी फिलीपींस को आंख दिखाने की कोशिश की है। चीन की नौसेना ने साउथ चाइना सी में लड़ाकू विमानों और युद्धपोत से मिसाइलें दागकर फिलीपींस को डराने की कोशिश की। दो दिन के अंदर चीन के ये ये कदम बताते हैं कि चीन ब्रह्मोस मिसाइल की तैनाती से भयभीत है.। चीन के टेंशन इस बात की है कि अब भारत चीन सीमा के साथ चीन–फिलीपींस सीमा पर भी ब्रह्मोस तैनात होगा। अब तो चीन के एक और दुश्मन और पड़ोसी वियतनाम ने भी ब्रह्मोस में दिलचस्पी दिखाई है, जो चीन के लिए खतरे की घंटी है। फिलीपींस में भारत की ब्रह्मोस मिसाइल पहुंच गई है और वहां की सैना उसकी तैनाती करेगी। फिलीपींस में अमेरिका ने अपनी नई टायफून मिसाइल प्रणाली तैनात कर रखी है. फिलीपींस में अमेरिका को चार बेस का एक्सेस मिला हुआ है। चीन के करीब जापान पर भी अमेरिका का बेस है। ऑस्ट्रेलिया – सिंगापुर में अमेरिका ने अपना बेस बना रखा है। थाईलैंड और साउथ कोरिया में अमेरिकी सेनाएं तैनात हैं। चीन के करीब गुआम में भी अमेरिका का बेस है। इन जगहों से वक्त पड़ने पर कभी भी अमेरिका चीन पर हमला कर सकता है। चाइना सी के बिल्कुल करीब अमेरिकी सेनाएं भी आ गई हैं। चीनी सेना के प्रवक्ता ने फिलीपीन्स को ब्रह्मोस देने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच सुरक्षा सहयोग में इस बात का ख्याल रखा जाए कि इससे किसी तीसरे पक्ष के हितों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल वू कियान ने कहा कि 'चीन हमेशा मानता है कि दो देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग से किसी तीसरे पक्ष के हितों को नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए और क्षेत्रीय शांति और स्थिरता को खतरा नहीं होना चाहिए।कर्नल वू कियान ने कहा कि एशिया–प्रशांत में अमेरिका की ओर से बैलिस्टिक मिसाइलों की तैनाती का हम कड़ा विरोध करते हैं। अमेरिका का यह कदम क्षेत्रीय देशों की सुरक्षा को गंभीर रूप से खतरे में डालते हुए क्षेत्रीय शांति को खतरा पैदा करता है। आज चीन को याद आ रहा है कि दो देशों के रक्षा सहयोग से तीसरे को नुकसान नही पहुंचना चाहिए, किंतु जब वह खुद ऐसा करता है, ता उसे कुछ याद नही आता। लंबे सयम से वह पाकिस्तान को अधुनिकतम युद्धक शस्त्र देने में लगा हुआ है। वह नही जानता कि पाकिस्तान इन शस्त्रों का प्रयोग कियादेश के विरूद्ध करेगा।वह अच्छी तरह से जानता और समझता है। किंतु अपनो हित में उसे कुछ याह नही आता। अब उसके दुशमन देश भारत, अमेरिका और फ्रांस आदि ऐसा ही कर रहे हैं तो उसे याद आ रहा है तीसरे राष्ट्र को नुकसान न पहुंचे। भारत फिलीपीन्स को ही ब्रहमोस मिजाइल नही दे रहा। वियतनाम भी इस मिजाइल को खरीदने में रूचि दिखा रहा है।यह तै है कि वियतनाम भी खरीदता है तो भारत उसे ब्रह्मोस देगा। प्रथम वरीयता पर देगा।

भारत अपना आधुनिकतम युद्धपोत खुखरी वियतनाम को पहले ही उपहार में दे चुका है। ये आधुनिक युद्धास्त्रों से सज्जित युद्धपोत है।भारत की ये कार्रवाई दक्षिण चीन सागर में चीन के बढ़ते आक्रामक रवैये को लेकर चिंताओं के बीच यह भारत और वियतनाम में बढ़ती रणनीतिक साझेदारी को दर्शाता है। भारत ने पहली बार किसी मित्रवत देश को कोई सेवारत पोत उपहार में दिया है।भारतीय नौसेना ने कहा कि पोत पूरी ''हथियार प्रणाली'' के साथ वियतनाम पीपुल्स नेवी (वीपीएन) को सौंपा गया है।

व्यावसायिक संगठन और प्रबंधन अवधारणा से ही गुणवत्ता संभव - संदीप वर्मा

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंध विभाग के बी.बी.ए. के छात्रों का औद्योगिक भ्रमण के तहत गुरुवार को छात्रों ने ग्रेटर नॉएडा स्थित स्काईड़ा इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का उत्पादन इकाई का भ्रमण किया स यह कंपनी अनेक प्रकार की बिजली एवं औद्योगिक तार, पी.वी.सी. कंडइट पाइप्स, स्विच गियर्स, पंखा, सबमर्सिबल पंप्स एवं इंजीनियरिंग और औद्योगिक बिजली उपकरण का निर्माण करती है स छात्रों को सम्बोधित करते हुए कंपनी के प्रबंध निदेशक प्रदीप शर्मा और निदेशक संदीप वर्मा ने छात्रों को कंपनी के उत्पाद को उत्कृष्ट बनाने की कई महत्वपूर्ण जानकारी दी स बिजली के तार के उत्पादन और और सेवाओं के निर्माण में व्यावसायिक संगठन और प्रबंधन अवधारणाओं को लागू करने के बारे में विस्तार से बताया स इसके उपरांत विपणन द्वारा इन्हें बाजार में लाने की रणनीति भी साझा किया स संदीप वर्मा ने उत्पादन का गुणवत्ता बढ़ाने में सम्पूर्ण गुणवत्ता प्रबंधन, जस्ट इन टाइम, सूची प्रबंधन, कैजेन, बेंचमार्किंग आदि तकनीक का प्रासंगिकता पर विशेष प्रकाश डाला स बिजली की तार की मैन्युफैक्चरिंग की अलग–अलग प्रक्रिया एवं कंपनी के अनेक इकाइयों की कार्य पद्धति के बारे में छात्रों को स्काईड़ा कंपनी के वरिष्ठ अभियंता अमन मिश्रा द्वारा समझाया गया स उन्होंने तार की सफाई, बिजली द्वारा धातू चढ़ाना, तारों को ठंडा करना आदि गलवानाइजिंग एवं क्वेचिंग प्रक्रिया से गुजरने के बाद तारो को मोड़ कर पैकेजिंग कराने की जानकारी दी स व्यवसाय प्रबंधा विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मुराद अली ने कहा की सैद्धांतिक शिक्षा को ऐसे इकाई की भ्रमण से प्रायोगिक ज्ञान को बढ़ावा मिलता हैं।

उन्होंने आशा जताई की आगामी वर्षो में विश्व विद्यालय के प्रबंधन व्यवसाय के विद्यार्थियों को स्काईड़ा कंपनी में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण करने का अवसर मिलेगा स विभाग के शिक्षक मोहित सिंह भटिआ ने प्रदीप वर्मा को स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया एवं धन्यवाद ज्ञापन समरीन तबस्सुम ने दिया।

जड़ाव ज्वैल्स ने बनाया भव्य जड़ाव पदमिनी हार

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अक्षय तृतीया एक अति शुभ अवसर है जो प्रति वर्ष बहुत उत्साह और खुशी के साथ मनाया जाता है। इसी पावन अवसर पर अपनी उत्कृष्ट शिल्प कौशल और अद्वितीय डिजाइनों के लिए मशहूर अग्रणी जयपुर स्थित आभूषण निर्माता जड़ाव ज्वैल्स ,लखनऊ स्थित स्टोर पर नए भव्य ब्राइडल डायमंड पोल्की कलेक्शन बेहद उत्कृष्ट दामों पर लाए है। जटिल कारीगरी वाले नाजुक हार से लेकर पोल्की से आच्छादित स्टेटमेंट चोकर्स तक, यह रेंज पारंपरिक भारतीय आभूषणों के बेहतरीन उदाहरण पेश करती है। संग्रह का मुख्य आकर्षण ब्राइडल कलेक्शन हैं, जिसमें 22I सोने में सेट पोल्की हीरे से जड़ी अलंकृत माथा पट्टी, भव्य एव बेहतरीन जड़ाव पदमिनी हार और चूड़ियाँ शामिल है। जड़ाव पदमिनी हार विशेषत इसी अवसर के लिए अद्भुत व बेजोड़ कारीगरी के साथ लगभग 2 माह के परिश्रम से बनाया गया है जो अकल्पनीय दामो पर दुल्हन की भव्यता में चार चाँद लगाने में सक्षम है जिसकी उपस्थिति इस खघस दिन को और भी बेहद खघस बनाती है । इन राजसी परिधानों के बिना कोई भी दुल्हन का जोड़ा पूरा नहीं होता। जड़ाव ज्वैल्स का यह

अद्भुत , भव्य कलेक्शन जिसमे 22 कैरेट हॉलमार्कड तथा कालांतर में पहली बार प्ळ॰ सर्टिफाइड पोल्की आभूषण मात्र पर मात्र 40 हजार रु. से प्रारंभ होता है, जिस समय सोने के भाव शिखर पर है। इस अक्षय तृतीया, बेहद उत्कृष्ट नए संग्रह को देखने और विशेष छूट का लाभ उठाने के लिए उनके स्टोर आज ही जाएँ जहां स्पिन द व्हील ऑफर पहली बार लखनऊ में उनके स्टोर पर चालू है जिसमें आपको 100: तक लेबर चार्ज में छूट के साथ सोने के वजन के बराबर चाँदी तथा एक विशेष रेंज तक के आभूषण खघ्रीद पर 5000 तक का कैश बैक ऑफर प्राप्त होता है। यह मौका ना चुके क्यों कि यह शुभ अवसर, सुंदर नए गहनो के साथ मिलकर दुल्हन के लिए विवाह की इस पावन बेला को चिरस्थायी बनाता है एवं परिवार की विरासत को नये आयाम प्रदान करता है।

ज्योतिषी हत्याकांड मामलें में अभियुक्त पक्ष से बहस जारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अपर सत्र न्यायाधीश चर्तुथध्एम पी एम एल ए कोर्ट रूपाली सक्सेना ने सरपतहा थाना क्षेत्र के तांत्रिक हत्याकांड में गुरूवार में अभियुक्त पक्ष के वरिष्ठ अधिवक्ता सन्तोष कुमार श्रीवास्तव द्वारा बहस की गयी।बहस के दौरान वादी पक्ष से सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता लाल बहादुर पाल, अशीष सिंह,अधिवक्ता आशुतोष चतुर्वेदी,राहुल तिवारी,राज नाथ उपस्थित रहे। मुकदमें में शेष बहस हेतु अगली तिथि 13 मई नियत की गई है।

बता दें कि तांत्रिक एवं ज्योतिषाचार्य डॉ.रमेश चन्द्र तिवारी की निर्मम हत्या 15 नवम्बर 2012 को उनके पैतृक आवास सरपतहां थाना क्षेत्र स्थित ऊंचगांव में उस समय की गयी जब वे अपने लोगों के साथ दरवाजे पर बैठकर धर्म की चर्चा कर रहे थे।पुलिस की वर्दी पहनकर दरवाजे पर पहुंचे बाइक सवार दो पेशेवर शूटर शेरू सिंह और विपुल सिंह द्वारा गुरू जी को नमो नमः करने के उपरांत उन्हे लक्ष्य बनाकर कारबाइन से ताबड़तोड़ गोली चलाते उनकी निर्मम हत्या कर दी गयी थी। गोली चलने की आवाज सुनकर आये उनके भाई राजेश तिवारी को शूटरों ने गोली मारकर जख्मी कर दिया।तांत्रिक हत्याकांड तत्कालीन सरकार के लिये चुनौती थी।प्रकरण में अभियोग पंजीकृत होने के उपरांत सरकार के सख्त निर्देश के क्रम में मुकदमे की निष्पक्ष जांच शुरू हुई तो तांत्रिक हत्याकांड में कुल 14 अभियुक्त प्रकाश में आये। जिसमें उक्त दो पेशेवर शूटर शेरू और बिपुल सिंह के अलावां हत्याकांड के 13 अभियुक्त जेल से छूटकर जमानत पर हैं । सभी आरोपि के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया। सनसनीखेज मुकदमे की अग्रिम विधिक कार्रवाई उच्च न्यायालय एवं वरिष्ठ उच्चाधिकारियों के संज्ञान में चल रही है।

नवाबों के शहर में लाइमलाइट डायमंड्स के स्टोर का हुआ ग्रैंड लान्च

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। देश के सबसे बड़े प्रमुख ब्रांडो में से एक सीवीडी डायमंड ज्वेलरी के ब्रांड लाइमलाइट डायमंड्स की ओर से नवाबों के शहर कहे जानेवाले लखनऊ में एक बेहद आकर्षक और भव्य नए स्टोर को लॉन्च किया गया। यह नया स्टोर लखनऊ के लुलु मॉल में बेहद हरेभरे माहौल में खुला है, जो लखनऊ के सबसे बेहतरीन शॉपिंग स्थलों में से एक है। लखनऊ के लुलु मॉल में स्थित 400 वर्ग फुट के इस विशाल स्टोर के साथ कंपनी का पूरे देश में अपने ब्रांड के विस्तार करने की दिशा में एक सफल कदम है। पिछले दो वर्षों में तेजी से विकास की दिशा में कदम बढ़ाते हुए इस ब्रांड का आउटलेट मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, जयपुर, वाराणसी , हैदराबाद, बैंगलोर और चेन्नई सहित 25 शहरों में फैला है, इसके साथ 10 स्टोर, 40 शॉप–इन–शॉप के साथ एलजीडी ज्वैलरी के लिए देश में इसकी व्यापक पहुंच है। इस ब्रांड ने तेजी से खुद को सॉलिटेयर आभूषणों के लिए अंतिम गंतव्य के रूप में स्थापित किया है। इसमें सॉलिटेयर नेकलेस, ब्रेसलेट और झुमके का एक उत्कृष्ट संग्रह है, जो नए युग की तकनीक और पारंपरिक आकर्षक आभूषणों का एक आदर्श मिश्रण है।

इस आउटलेट में उपभोक्ताओं को 3डी होलोग्राम डिस्प्ले का अनुभव मिलेगा। इसके ग्राहकों के लिए ब्रांड के ज्वेलरी की अनुकूल डिजाइन और लाइफटाइम बायबैक और 100: एक्सचेंज गारंटी शामिल है, जो स्टोर पर आने वाले ग्राहकों में और अधिक विश्वास और विश्वास पैदा करेगी। अपना उत्साह व्यक्त करते हुए लाइमलाइट डायमंड्स की संस्थापक और एमडी, पूजा शेठ माधवन कहती हैं।

हमें अपने ब्रांड के लिए ग्राहकों की इतनी शानदार प्रतिक्रिया मिल रही है, जिसे महसूस कर गर्व का अनुभव हो रहा है। लखनऊ में एक बेहतरीन वातावरण में शानदार आउटलेट स्टोर खोलने पर मुझे बहुत खुशी है। हमारा लक्ष्य अपने उपभोक्ता आधार को मजबूत करना है, जिससे उन्हें हमारे उत्कृष्ट प्रयोगशाला–विकसित सीवीडी हीरे के आभूषणों के साथ जुड़ने का एक असाधारण अवसर प्रदान किया जा सके। मेरा मानना है कि लाइमलाइट के आभूषण यहां के सभी लोगों के लिए आदर्श आभूषण होगा। मेरा मानना है कि अब लोग काफी कम खर्च में छोटे हीरे जड़ित आभूषणों से डायमंड सॉलिटेयर में अपग्रेड करना पसंद करेंगे। लाइमलाइट के रीजनल पार्टनर एएनजे ज्वैलर्स के श्री नीतीश कुमार ने कहा, लाइमलाइट डायमंड्स के साथ यह हमारा पहला व्यवसाय है। लखनऊ के इस आउटलेट में हम अपने ग्राहकों प्रयोगशाला में विकसित हीरे के आभूषणों में सर्वोत्तम डिजाइन प्रदान करेंगे। जिससे ग्राहकों के साथ हमारा विश्वास का नाता और मजबूत बन सके। वित्त वर्ष 24 में लाइमलाइट ने राष्ट्रीय स्तर पर 80 करोड़ रुपये से अधिक की सकल बिक्री दर्ज की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 230: से अधिक है। इसमें से ब्रांडेड बिक्री साल–दर–साल तीन गुना हो गई है। जिसके परिणामस्वरूप ग्राहकों के साथ सीधे जुड़ने और अपनी खुदरा उपस्थिति का विस्तार करने के लिए कंपनी का आत्मविश्वास बढ़ा है। लखनऊ के ग्राहकों से हमारा आवेदन है कि इस नए लाइमलाइट डायमंड्स स्टोर पर एकबार अवश्य पधारे और हीरा जड़ित गहनों के आकर्षण का एकबार अनुभव अवश्य करें।

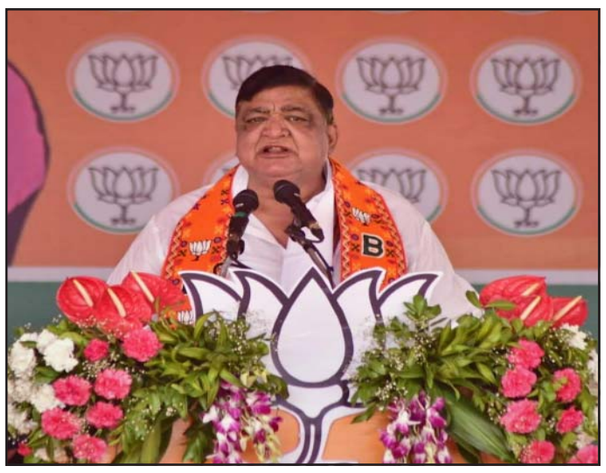

देश के गृहमंत्री ने भाजपा नेता नरेश अग्रवाल को किया अनुभवी नेता की उपाधि से सम्मानित

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना) देश के गृहमंत्री और और भारतीय जनता पार्टी में दूसरे नंबर के नेता अमित शाह ने बुधवार को नरेश अग्रवाल के कद को जहां भाजपा

में ऊंचा उठाया वहीं डॉ अशोक बाजपेई का नाम तक ना लेकर एक नई चर्चा को जन्म दे दिया हालांकि हालांकि डॉ अशोक वाजपेई ने मंच पर ही प्रदेश अध्यक्ष और जिला अध्यक्ष से इस बाबत नाराजगी जताते हुए कहा कि इतनी बेइज्जती उनकी कभी नहीं हुई राजनीतिक पंडितों का कहना है अमित शाह ने कुछ भी गलत नहीं कहा हंड्रेड परसेंट सत्य कहा कि नरेश अग्रवाल अनुभवी नेता हैं यह तो सभी जानते हैं अब उन्होंने मंच पर पहली पंक्ति में बैठे डॉ अशोक बाजपेई का नाम नहीं लिया तो इसकी वजह गृहमंत्री ही जानते होंगे जब भीड़ में नरेश अग्रवाल और नितिन अग्रवाल के समर्थकों के अतिरिक्त अन्य कुछ दिखाई ही नहीं दे रहा था तो जाहिर है देश का गृहमंत्री भी समझ गया कि नरेश अग्रवाल का कद कितना बड़ा है और वह कितने अनुभवी हैं जनसभा के हर कोने में नरेश अग्रवाल के कार्यकर्ता ही जब दिखाई पड़ेंगे तो जाहिर है कि नरेश अग्रवाल का अनुभव ही उन्हें अपना बना सका और उनके एक इशारे पर उनके कार्यकर्ता सब कुछ करने को तैयार रहते हैं जितनी नरेश अग्रवाल के पास कार्यकर्ताओं की फौज है शायद ही प्रदेश में किसी नेता के पास इतनी बड़े स्तर पर कार्यकर्ताओं की फौज हो यह फौज नरेश अग्रवाल के इशारों पर सब कुछ कर गुजरने को तैयार रहती है फिलहाल राजनीतिक पंडितों का मानना है की अमित शाह जी ने जो कुछ भी नरेश जी के सम्मान में कहा वह अक्षरसरू सही है और गृहमंत्री जी ने नरेश अग्रवाल को समझने में जरा सी भी चूक नहीं की वह जानते हैं कि श्री अग्रवाल एक राजनीति के मजे हुए खिलाड़ी हैं और उनका अनुभव आज भी राजनेताओं के लिए शिक्षाप्रद बना हुआ है। यही नहीं श्री अग्रवाल अकेले ऐसे जिले के नेता हैं जिन्होंने मुख्यमंत्री की कुर्सी का भी लालच नहीं किया और एक समय पर उसे भी ठुकरा दिया था यदि ऐसे कद्दावर नेता को देश का गृहमंत्री अनुभवी नेता की उपाधि से सम्मानित करता है तो वह हरदोई जिले के लिए गर्व और गौरव की बात है।

साहिब श्री गुरू अंगद देव जी महाराज का प्रकाश पर्व मनाया गया

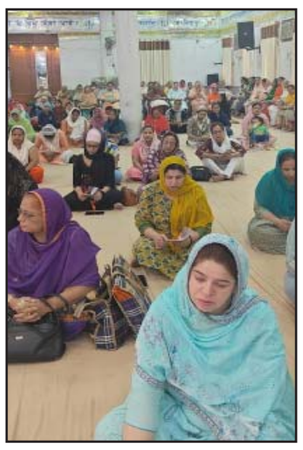

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सिखों के दूसरे गुरु साहिब श्री गुरु अंगद देव जी महाराज का प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरू नानक देव जी श्री गुरू सिंह सभा, नाका हिंडोला लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ मनाया गया।

सायं का दीवान 6.30 बजे रहिरास साहिब के पाठ से प्रारम्भ हुआ जो 9.30 बजे तक चला जिसमें हजूरी रागी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी शबद कीर्तन के गायन एवं नाम सिमरन द्वारा समूह साध संगत को निहाल किया, उसके उपरान्त ज्ञानी सुखदेव सिंह जी ने श्री गुरू अंगद देव जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि गुरु जी का जन्म गाँव हरीके, फिरोजपुर, पंजाब में हुआ था। गुरुजी आपके पिता का नाम श्री फेरू जी और माता का नाम माता रामो देवी जी था। श्री गुरू अंगद देव जी का जीवन बहुत रहस्यमयी था इनका पहला नाम भाई लाहिणा था। वह देवी के पुजारी थे एक सिख से श्री गुरू नानक देव जी की बाणी सुनकर मुग्ध हो गये। उनके हृदय में गुरू जी के दर्शनों की लालसा लग गयी करतारपुर आकर गुरू जी के दर्शन किये और दर्शन करके इतना आनन्द आया कि अपने आप को गुरू जी के हवाले कर दिया। दिन रात सेवा सिमरन में जुटे रहना इनके जीवन का मुख्य कर्तव्य था। श्री गुरू नानक देव जी ने कई बार परीक्षा ली और वे हर बार परीक्षा में सफल होते रहे। इनकी नम्रता एवं सेवा सिमरन को देखते हुए श्री गुरूनानक देव जी ने अपने दोनों पुत्रों को छोड़कर भाई लाहिणा जी को गुरु गद्दी सौंप दी और भाई लाहिणा से गुरू अंगद देव बना दिया। गुरु अंगद देव जी के 62 शबद श्री गुरु ग्रंथ साहिब में दर्ज हैं। गुरूमुखी लिपि की एक वर्णमाला को प्रस्तुत किया। वह लिपि बहुत जल्द लोगों में लोकप्रिय हो गयी। उन्होने बच्चों की शिक्षा में विशेष रूचि ली। उन्होंने विद्यालय व साहित्य केन्द्रों की स्थापना की। नवयुवकों के लिए उन्होंने मल्ल–अखाड़ा की प्रथा शुरू की। गुरू जी के जीवन से हमको यह प्रेरणा मिलती है कि सेवा व सिमरन करने से मनुष्य बहुत ऊँचा बन जाता है। गुरू जी के दरबार में जहाँ आत्मा की खुराक के लिये नाम भक्ति के लंगर चलते थे वहीं शारीरिक खुराक के लिये भी आये गये अतिथियों के लिये चौबीस घंटे गुरू का लंगर भी चलाए जाते।

इस अवसर पर रागी जत्था भाई सतबीर सिंह जी गुरुद्वारा सरोजनी नगर वालों ने इस जग सचौ की है कोठड़ी सचे का विचार वास। गायन कर साध संगत को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन सतपाल सिंह मीत ने किया।

दीवान की समाप्ति के पश्चात् ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरू नानक देव जी श्री गुरू सिंह सभा,नाका हिंडोला लखनऊ के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने समूह संगत को साहिब श्री गुरू अंगद देव जी के प्रकाश पर्व (जन्मोत्सव) की बधाई दी। दशमेश सेवा सोसाइटी के सदस्यों द्वारा गुरू का लंगर श्रद्धालुओं में वितरित किया गया।

विपरीत दिशा से आ रही डंपर की टक्कर से बाइक सवार की मौत

अयोध्या। गुरुवार की भोर कैंट थाना क्षेत्र में रायबरेली मार्ग पर अयोध्या की ओर से तीव्र गति में विपरीत दिशा से आ रही डंपर ने सामने से आ रहे स्पलेंडर बाईक सवार को टक्कर मार दी।टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उक्त डंपर की चपेट में आकर बाइक सवार शुभम कुमार पुत्र राम सेवक निवासी निमारी थाना इनायत नगर अयोध्या स्पलेंडर बाईक सवार करीब सौ मीटर तक घसीटता हुआ चला गया।फायर कर्मियों की मानें तो इससे बाइक व उक्त डंपर में आग लग गई।परिणाम स्वरूप इसके चलते उक्त बाईक सवार की बाइक के साथ साथ डंपर में आग लग गई और बाइक सवार की आग की चपेट में आने से झुलसकर मौत हो गई।इस संबंध में एफएसओ अयोध्या नागेन्द्र प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि भोर तीन बजे फायर विभाग को सूचना मिली कि रायबरेली मार्ग पर स्थित बालासाराय थाना कैंट पंचम क्षेत्र चौकी जनपद अयोध्या में डंपर में कारणों से आग लग गई।सूचना मिलते ही उन्होंने

फायर कर्मियों के साथ फायर टेंडर लेकर घटना स्थल पर पहुंच कर आग बुझाने में जुट गए। आग बुझाते समय उन्होंने देखा कि अयोध्या साइड से रायबरेली रोड पर अपने गलत साइड से आ रही डंपर के अगले दोनों पहियों एवं केबिन में आग लगी थी। जिसे समय रहते फायर विभाग के कर्मियों द्वारा काफी सूझबूझ और काफी मशक्कत के बाद बुझाया गया। एफएसओ नागेन्द्र प्रसाद द्विवेदी के बताया कि आग बुझाने के बाद देखा गया उक्त डंपर के आगे एक अज्ञात व्यक्ति मोटरसाइकिल सहित उसमें फंसा था जिसकी झुलस कर मौत हो गई थी जिसे स्थानीय पुलिस द्वारा एंबुलेंस से अस्पताल भेजा गया। इस मौके पर सीएफओ एमपी सिंह भी मौजूद रहे।

कश्यप स्वाभिमान चेतना समिति के तत्वाधान में परम पावन लोकतंत्र चुनाव अभियान में मतदान जागरूकता संवाद

मृत्युंजय प्रताप सिंह

लखनऊ रूकश्यप स्वाभिमान चेतना समिति के तत्वाधान में परम पावन लोकतन्त्र चुनाव अभियान में मतदान जागरूकता संवाद हेतु लखनऊ के कश्यप निषाद गौड, समाज के बुद्धजीवी वर्ग की मतदान जन जागरण हेतु संगोष्ठी का आयोजन जवाहर लाल नेहरू यूया केन्द्र घण्टाघर चौक लखनऊ में श्री बृजमोहन कश्यप जी के द्वारा किया गया। संगोष्ठी में लगभग 300 बिरादरी ने भाग लेकर रक्षा मंत्री भारत सरकार मा० राजनाथ सिंह जी की पुन अधिक से अधिक मतदान करवाकर पांच लाख से अधिक वोटों से विजयी बनाने का संकल्प लिया है। संगोष्ठी में युवा हृदय समाट नोयडा के विधायक मा० पंकज सिंह यशश्वी विधायक द श्री नीरज बोरा जी, राज्य सभा सांसद श्री बाबूराम निषाद, विधान परिषद सदस्य श्री मुकेश शर्मा जी नगर प्रमुख श्रीमती सुषमा खरक्याल पूर्व मंत्री श्री सीताराम कश्यप राष्ट्रीय निषाद संघ के श्री कैलाश नाथ निषाद, श्री राजेन्द्र निषाद, कश्यप समाज संगठन के श्री नगेन्द्र कश्यप सूरज कश्यप, शिव गौर, संतोष कश्यप सहकार भारती से श्री हरबंश सिंह (एडवोकेट) कश्यप स्वाभिमान चेतना समिति के श्री अजय कुमार कश्यप (एडवोकेट) श्री गोपीचन्द्र (एडवोकेट) श्री गुरुचरन कश्यप (एडवोकेट) श्री जगदीश कश्यप श्री रामशंकर कश्यप जी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यकम के संयोजक ने संगोष्ठी के माध्यम से उपस्थित मा० राजनाथ सिंह जी के प्रतिनिधियों से सादर

निवेदन सहित आग्रह किया है कि जब हमारा समाज आपकी पार्टी को समर्पित है तो कुछ अपेक्षाये भी रखती है।

1. तत्कालीन भाजपा सरकार में ही बालागंज चौराहे पर निषाद राज मूर्ति की स्थापना हुई है. उसी मूर्ति के बगल अथवा कही भी महर्षि कश्यप ऋषि की मूर्ति की स्थापना की जाये। 05 अप्रैल को दोनों महापुरुषों की जयन्ती समाज मनाता है।

05 अप्रैल महर्षि कश्यप निषाद जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश।

इस समाज के प्रतिभाशाली नवयुवकों को भी सिविल डिफेन्स/सरकारी उपक्रमों में समायोजन किया जाये

4. समाज के कर्मठ प्रतिभाशाली अधिवक्ताओं को शासकीय अधिवक्ता नियुक्त करना।

5 नगर–प्रदेश भाजपा कार्यालय में समाज के नव–युवकों को क्षमतानुसार वरियता।

सगाष्ठी के मुख्य अतिथि मा० मुकेश शर्मा जी पूर्व नगर अध्यक्ष ने कश्यप समाज के प्रति कृतज्ञयता जाहिर करते हुए धन्यवाद दिया

और आश्वाशन दिया कि आपकी अपेक्षाओं को सरकार तक पहुंचा कर पूरा कराने का प्रयास किया जायेगा। कार्यक्रम समापन पर श्री बृजमोहन कश्यप ने सबका आभार प्रकट करते धन्यवाद दिया।

अयोध्या बस्ती और अंबेडकरनगर समेत कई जनपदों में खब्बू तिवारी भर रहे भाजपाइयों में जोश

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। गोसाईगंज के पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी उर्फखब्बू तिवारी का जनपद बस्ती और अंबेडकर नगर के बाद आज अयोध्या की विधानसभा बीकापुर और विधानसभा मिल्कीपुर मे तूफानी दौरा जारी रहा। जहां पर भाजपा कार्यकर्ता एवं समर्थकों का जन सैलाब दिखाई दे रहा था। खब्बू तिवारी ने अयोध्या लोकसभा प्रत्याशी लल्लू सिंह के समर्थन मे विधानसभा बीकापुर क्षेत्र में दर्जनों नुक्कड़ सभाएं किए और विधानसभा मिल्कीपुर के इनायतनगर मे विशाल जन सभा को सम्बोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी लल्लू सिंह को भारी से भारी मतों से जिताने के लिए जनता – जनार्दन से जिताने के लिए अपील किया।सभा को संबोधित करने के दौरान खब्बू तिवारी ने कहा कि सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में देश की जनता ने मोदी की गारंटी को घर–घर पहुंचते देखा है। मोदी सरकार की हर नीति ने राष्ट्रहित सर्वोपरि के संकल्प को स्थापित किया है।विगत 10 वर्षों में सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया है, मोदी सरकार के दो कार्यकाल में देश ने असीमित उपलब्धियां को साक्षात्कार किया है।

वैश्विक स्तर पर रोजगार व कौशल संवर्धन को बढ़ावा जरूरी – प्रशांत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सफल उदय फाउंडेशन ने छात्रों के लिए रोजगार व कौशल संवर्धन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गत दिवस कनेक्टिकम वर्चुअल सत्र आयोजित किया। इस सत्र ने छात्रों को वैश्विक प्रतिभा से जोड़ने के लिए एक अमूल्य मंच प्रदान किया, जिससे उन्हें पेशेवर करियर और आधुनिक उद्योग प्रवृत्तियों की समझ बढ़ाने में मदद मिली। कुवैत में राज्य ट्रेडिंग कॉरपोरेशन (एसटीसी) में कार्यरत प्रशांत कुमार ने इस विषय पर अपनी विशेषज्ञता और विचार साझा किए। उन्होंने विभिन्न उद्योगों में स्वचालन के तेजी से विकसित होते क्षेत्र और इसके अनुप्रयोगों पर विस्तार से चर्चा की। सत्र में बड़ी संख्या में छात्रों ने भाग लिया, जो श्री कुमार द्वारा प्रदान की गये ज्ञान और मार्गदर्शन को ग्रहण करने के इच्छुक थे। उन्होंने निरंतर सीखने के महत्व और पेशेवर दुनिया में तकनीकी परिवर्तनों के अनुकूलन की जरूरत को रेखांकित किया। श्री कुमार ने स्वचालन के विविध क्षेत्रों में एकीकरण के साथ आने वाली चुनौतियों और अवसरों पर चर्चा की। उन्होंने छात्रों को आधुनिक नौकरी बाजार में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए कोडिंग, डेटा विश्लेषण, और रोबोटिक्स में कौशल विकसित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। इंटरएक्टिव सत्र ने छात्रों को सवाल पूछने और श्री कुमार के विदेश में काम करने के अनुभवों के बारे में जानकारी प्राप्त करने की अनुमति दी। उनके बेबाक उत्तरों ने छात्रों को वैश्विक कार्यबल की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं तथा विभिन्न देशों में काम करने के सांस्कृतिक विशेषताओं के बारे में साफ नजरिया प्रदान किया। सफल उदय फाउंडेशन की कनेक्टिकम श्रृंखला छात्रों को अंतरराष्ट्रीय मानकों और प्रक्रियाओं से परिचित कराने के लिए आवश्यक माध्यम बनी। श्री कुमार जैसे पेशेवरों से छात्रों को जोड़कर, फाउंडेशन अगली पीढ़ी के प्रतिभाओं को उनके करियर में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपकरण और ज्ञान प्रदान कर रहा है। यह वर्चुअल सत्र न केवल विषय की गहरी समझ प्रदान करता है बल्कि छात्रों को निरंतर सीखने और कौशल विकास की प्रेरणा भी देता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समाचार रिपोर्टिंग पर छोड़ रही गहरा प्रभाव - प्रो0 रत्नेश द्विवेदी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में गुरूवार को समाचार संकलन एवं तकनीक विषय पर आनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला के मुख्य वक्ता प्रो0 रत्नेश द्विवेदी, एक्सक्लूसिव कंट्री डायरेक्टर भारत ने पत्रकारिता के छात्रों को वर्तमान में समाचार संकलन एवं तकनीक में हो रहे बदलावों से परिचित कराया। कहा कि मीडिया दिन प्रतिदिन बदल रहा है। तकनीक आधारित रिपोर्टिंग में तथ्य संकलन का स्वरूप भी बदल गया है। समाचार लेखन में शोध परक रिपोर्टिंग की मांग बढ़ रही है। वर्तमान में समाचार–पत्रों ने भी डिजिटल संस्करण को अपना लिया है।वहीं इलेक्ट्रानिक मीडिया में भी खबरों के आकार को छोटा कर उसके स्वरूप को परिवर्तित कर अधिक से अधिक कवरेज पर फोकस कर रही है। कार्यशाला में प्रो0 द्विवेदी ने कहा कि मीडिया में भी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ए.आई.) का बढ़ता प्रयोग भी समाचार संकलन एवं रिपोर्टिंग पर गहरा प्रभाव छोड़ रही है। वर्ष 1991 में सिर्फ 04 चौनल से शुरूआत हुई थी आज 04 हजार से अधिक न्यूज चौनल सक्रिय है। इसी तरह समाचार–पत्रों के संस्करणों का डिजिटल स्वरूप उभर रहा है। उन्होंने बताया कि इन्टरनेट एवं कम्प्यूटर आधारित समाचार संकलन की तकनीक ने निश्चित रूप से समाचार रिपोर्टिंग को फलीभूत किया है। आगे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का प्रयोग मीडिया के स्वरूप को और सशक्त करेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एमसीजे समन्वयक डॉ0 विजयेन्दु चतुर्वेदी ने बताया कि वर्तमान पत्रकारिता की नई ताकत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बनेगी। इसमें पत्रकारिता में काफी बड़े बदलाव लाने की क्षमता है। इससे व्यापक स्तर पर खबरों का प्रसार हो सकेगा। उन्होंने कहा कि आज डिजिटल की शक्ति को आमजनमानस समझ रहा है। ए0आई0 से खबरों के परीक्षण में सहायता मिलने के साथ सक्रियता आयेगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 आर0एन0 पाण्डेय ने किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ0 अनिल कुमार विश्वा द्वारा किया गया। इस अवसर तन्या सिंह, याशनी दीक्षित, प्रणीता राय, मनीषा ओझा, सौरभ मिश्र, श्रेया श्रीवास्तव, अनुश्री यादव, एकता वर्मा, कल्पना पाण्डेय, कामिनी चौरसिया, सुधांशु शुक्ल, वन्दनी सिंह, शैलेश यादव, दीपांशु यादव, राजदेव शुक्ल, उत्तम ओझा, सचिन देवा, अक्स पाण्डेय, अनुभव यादव, विशाल तिवारी सहित बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं मौजूद रहे।

डा. राम मनोहर लोहिया संस्थान में हुआ एक और फार्मेसी का शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मरीजों और उनके तीमारदारों की सुविधा हेतु संस्थान के हॉस्पिटल ब्लॉक स्थित ओ०टी०में ओ०टी०फार्मेसी की गई शुरुआत। संस्थान के निदेशक प्रो०(डा०) सी०एम० सिंह द्वारा किया गया फार्मेसी का उद्घाटन।

इस फार्मेसी की शुरुआत से ऑपरेशन के लिए जाने वाले मरीजों के तीमरदरों को अब लाइन में नहीं लगना होगा। मरीज के ऑपरेशन में लगने वाला सामान वहीं ओ०टी० में ही उपलब्ध करा दिया जाएगा। पूर्व में उन्हें दूसरी बिल्डिंग में स्थित फार्मेसी में जाना पड़ता था। ओ०टी०फार्मेसी की शुरुआत से अब संस्थान में कुल 12फार्मेसी संचालित होगई हैं। हॉस्पिटल ब्लॉक में 03, सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक में 03, ऑनकोलॉजी भवन में 01,न्यू रजिस्ट्रेशन हाल में 01 और शहीद पथ स्थित राम प्रकाश गुप्ता मात्र एवम शिशु रेफरल चिकित्सालय में 03 फार्मेसी संचालित है। फार्मेसी उद्घाटन के दौरान संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रो0ए0के सिंह, , चिकित्सा अधीक्षक, प्रो0विक्रम सिंह, एच0आर0 एफ,अध्यक्ष, प्रो0 ममता हरजाई, प्रो0स्मिता चौहान, प्रो0विनीत कुमार,प्रो0 पी0 के0दास, एवम अन्य कार्मिक उपस्थित रहे।

एसडीएम व सीओ ने वरनेबुल बूथों का किया निरीक्षण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। जैसे जैसे मतदान का समय करीब आता जा रहा है। वैसे वैसे प्रशासनिक अफसरों की सक्रियता बढ़ती जा रही है।एसडीएम रूदौली अंशिका दीक्षित तथा सीओ रूदौली आशीष निगम ने मवई थाना क्षेत्र के वरनेबुल व क्रिटिकल बूथों का निरीक्षण किया। एसडीएम व सीओ ने ग्राम नेवरा तथा तालगांव पहुंचकर वरनेबुल पीड़ित परिवारों से मिलकर उनकी समस्याओं को जाना और उनको आश्वासन दिया कि उनके साथ किसी प्रकार का उत्पीड़न नहीं होने दिया जायेगा।पीड़ितों को बताया गया कि मतदान के दिन निर्भय होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें यदि मतदान के समय किसी ने धमका कर वोट डलवाने का प्रयास किया तो उसके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जायेगी।सीओ आशीष निगम ने बताया कि रूदौली सर्किल में बने एसएसटी प्वाइंट मवई चौराहा, खुर्दहा,रेछ तथा शुजागंज के निकट बने एसएसटी प्वाइंट का भी निरीक्षण किया गया। तथा वहाँ पर मौजूद पुलिस कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।इस दौरान तहसीलदार रूदौली राजेश वर्मा,थानाध्यक्ष मवई आशा शुक्ला सहित आदि लोग उपस्थित थे।

जनसम्पर्क अभियान में बूथ समिति के साथ टोली बनाकर घर–घर पहुंच रहे हैं भाजपाई

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे जनसम्पर्क अभियान के तहत पार्टी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि बूथ समिति के साथ टोली बनाकर घर–घर जनसम्पर्क कर रहे है। लोकसभा के सभी 2074 बूथों पर अभियान की शुरूवात हुई।अयोध्या धाम के रामकोट शक्ति केन्द्र में विधायक वेद प्रकाश गुप्त, प्रथम महापौर ऋषिकेश उपाध्याय, महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव, महानगर के विवेकानंद वार्ड, अग्रसेन वार्ड में महापौर, महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने घर–घर जनसम्पर्क किया। अम्बेडकर नगर वार्ड में जनचौपाल लगाया। पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू ने पिपरी जलालपुर, हरिनाथपुर, कोदैला, तोरोमाफी दराबगंज, चवरढार, दशरथपुर, भावापुर, नगर पंचायत अध्यक्ष बीकापुर राकेश पाण्डेय राना के आवास पर, सहित बीकापुर बाजार के कई स्थानों पर जनचौपाल लगाया। जनचौपाल में पहुंचने पर कई स्थानों पर 51 किलो की माला से पूर्व विधायक का स्वागत किया गया।जनसम्पर्क के दौरान महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने कहा कि सरकार के 10 वर्षों के कार्यकाल में देश की जनता ने मोदी की गांरटी को घर–घर पहुंचते देखा है। मोदी सरकार की हर नीति ने राष्ट्रहित सर्वोपरि के संकल्प को स्थापित किया है। विगत 10 वर्षों में सर्वांगीण, सर्वसमावेशी तथा सर्वस्पर्शी विकास ने यह सुनिश्चित किया है कि इस विकास यात्रा से देश का कोई भू–भाग कोई पात्र व्यक्ति छूट न पाए।विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि सबका साथ सबका विकास के पथ पर चलते हुए सरकार सबका विश्वास हासिल करने के लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ रही है। अंतिम व्यक्ति को योजनाओं का लाभ मिला है।नगर पंचायत अध्यक्ष आवास पर आयोजित जनचौपाल के दौरान इंद्र प्रताप तिवारी खब्बू ने कहा कि मोदी सरकार के दो कार्यकाल में देश ने असीमित उपलब्धियों का साक्षात्कार किया है। लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक परम्पराओं के साथ–साथ देश की सांस्कृतिक विरासत का सम्मान किया है।

पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने अयोध्या का अद्भुत विकास किया है। अयोध्या को विश्व मानचित्र पर स्थापित किया गया है। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने बताया कि पांच दिन पांच बूथ अभियान के तहत पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि पांच बूथों पर बूथ समिति के साथ व्यापक जनसम्पर्क कर रहे हैं।पूर्व विधायक इंद्र प्रताप तिवारी के साथ जनचौपाल में जिलाध्यक्ष संजीव सिंह, ब्लाक प्रमुख बीकापुर दिनेश वर्मा जी, नीरज रिंकू श्रीवास्तव, नगर पंचायत बीकापुर अध्यक्ष राकेश पांडेय राणा, उत्तम तिवारी, मोनू पांडेय, विजया नंद पांडेय, सुरजीत पाल, लक्ष्मण निषाद, सुरेश पांडेय, आशीष तिवारी, जगराम निषाद, विनोद पांडेय, कुलदीप पाल, अजीत साहू, सहित पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता व स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश में जो विकास के आयाम स्थापित किए हैं, वे मील का पत्थर साबित हो रहे हैं – नवीन जैन

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) भारतीय जनता पार्टी के व्यापार प्रकोष्ठ द्वारा सांडी में आयोजित विशाल व्यापारी सम्मेलन में भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं राज्य सभा के सांसद नवीन जैन ने कहा कि कहा कि व्यापारी हमेशा ही भाजपा के साथ रहा है और इस बार भी पूरे दम खम से भाजपा के ही साथ है। यह चुनाव सिर्फ एक सांसद को

चुनने का ही नहीं है बल्कि अपने राष्ट्र को बुलंदियों पर ले जाने के लिए हो रहा है। व्यापारियों को संबोधित करते हुए श्री जैन ने कहा कि कहा कि लोकसभा चुनावों का प्रचार जारी है। हमें प्रचार में किसी तरह की कोई कमी नहीं छोड़नी है।हरदोई लोकसभा से भाजपा उम्मीदवार जय प्रकाश रावत की जीत का आंकड़ा बढ़ाने के लिए सभी व्यापारी, कार्यकर्ता मजबूती से काम करें। कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देश में जो विकास के आयाम स्थापित किए हैं, वे मील का पत्थर साबित हो रहे हैं। देश से भय, भूख, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने का काम किया है। विदेशों में भारत की साख बढ़ाई है। हमें भाजपा की तीसरी बार सरकार बनाने के लिए जी–जान से जुटकर काम करना है। भारतीय जनता पार्टी व्यापार प्रकोष्ठ हरदोई के जिला संयोजक नवनीत गुप्ता जी के संयोजन में हुए व्यापारी सम्मेलन की अध्यक्षता भाजपा नेता राजाराम कुशवाहा पूर्व चेयरमैन सांडी जी ने की। विशिष्ट् अतिथि विधायक श्री प्रभाष कुमार जी रहें। इसके अलावा सम्मेलन में चेयरमैन रामजी गुप्ता, लोकसभा संयोजक प्रीतेश, खुशीराम यादव विधानसभा प्रभारी, ब्लॉक प्रमुख अनिल राजपूत, जिला सह संयोजक संदीप गुप्ता,जिला सह संयोजक हरेकृष्ण गुप्ता पूर्व सभासद, मंडल अध्यक्ष विजय शंकर, श्याम जी शर्मा एवं युवा भाजपा नेता कुलदीप सिंह, रमाकांत मौर्य , रचित गुप्ता , आजाद सिंह,प्रत्यूष गुप्ता, अमन गुप्ता, सत्यकिशोर राजपूत, श्रीमती नीशु गुप्ता, निधीश अग्निहोत्री, डॉ कुलदीप गुप्ता बूथ अध्यक्ष पेंग, सुरजीत गुप्ता मंडल संयोजक सुरसा, पूर्व प्रधान मलिहामऊ दिनेश गुप्ता पप्पू, सुरेंद्र गुप्ता गल्ला मंडी, अरुण गुप्ता राज उद्योग व्यापार संगठन, गौरव ठाकुर आदि सैकड़ों व्यापारी शामिल रहे। कार्यक्रम का संचालन राजीव पाठक ने किया।

इस्कॉन भारत के प्रमुख गुरू महाराज को इस्कॉन लखनऊ मे दी गयी भावभीनी श्रद्धांजलि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। इस्कॉन मन्दिर अध्यक्ष श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभुजी ने लखनऊ एवं आस–पास के भक्तों के साथ इस्कॉन भारत के प्रमुख परम पूज्य श्रील गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज जी जो श्री श्री राधा श्याम सुन्दर की नित्य लीला मे दिनाँकरू 05–05–24 को प्रवेश कर गए है, उन्हें आज इस्कॉन मन्दिर, लखनऊ मे पुष्पांजलि एवं विरह श्रद्धांजलि दी गयी।

अपरिमेय श्याम प्रभुजी जी ने बताया कि हमें गुरू महाराज जी द्वारा दी गयी शिक्षाओं को अपने आचरण मे उतारकर मन्दिर अध्यक्ष,शिक्षागुरू एवं अधिकारियों के दिशा निर्देशन मे सेवाएं करते हुए समाज में कृष्ण भावनामृत का प्रचार करना चाहिए एवं गुरू महाराज को प्रसन्न करने के लिए श्रील प्रभुपाद जी द्वारा रचित साहित्यों, ग्रंथों एवं श्रीमद भगवत गीता का वितरण करने में बढ़–चढ़ हिस्सा लेना चाहिए यही गुरू महाराज को वास्तविक श्रद्धांजलि होगी, तत्पश्चात मन्दिर एवं शहर भर से आये गणमान्य भक्तों ने गुरू महाराज के गुणगान मे दो शब्द श्रद्धांजलि के रूप मे अर्पित किये, साथ ही साथ उपस्थित भक्तों ने गुरू महाराज का विरह कीर्तन द्वारा चिंतन किया।

एकेटीयू में मनाया गया आविर्भाव दिवस

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ0 एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का आविर्भाव दिवस बुधवार को मनाया गया इस मौके पर परिसर में विविध कार्यक्रम आयोजित किये गये। पौधरोपण, रंगोली प्रतियोगिता और तकनीकी शिक्षा के उन्नयन में युवाओं के योगदान विषयक निबंध प्रतियोगिता हुई, जिसमें छात्रों ने हिस्सा लिया। इस मौके पर आयोजित गोष्ठी में बोलते हुए माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पांडेय ने विश्वविद्यालय की स्थापना से अब तक की यात्रा पर प्रकाश डाला। विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाने में योगदान देने वाले पूर्व कुलपतियों, अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। कहा कि आज ही के दिन यह विश्वविद्यालय अपने अस्तित्व में आया था। एक छोटे से हॉल से इसकी शुरूआत हुई। उस वक्त विश्वविद्यालय के सामने तमाम चुनौतियां रहीं। एक ओर विश्वविद्यालय की पहचान स्थापित करना तो दूसरी ओर संसाधनों को भी जुटाना था। इन चुनौतियों से पार पाते हुए पहले कुलपति और उनके नेतृत्व में अधिकारियों और कर्मचारियों ने विश्वविद्यालय को पहचान दिलाया। इस क्रम में पूर्व में हुए अन्य कुलपतियों ने विश्वविद्यालय की प्रगति में अपना अमूल्य योगदान दिया। फिर चाहे समय से परीक्षा और परिणाम हो या एकेडमिक एक्सिलेंस में कार्य हो। कहा कि फिलहाल हमारे सामने कई चुनौतियां हैं लेकिन एक टीम के रूप में कार्य करके विश्वविद्यालयों को आगे बढ़ा सकते हैं। कहा कि व्यक्तिगत हितों से उपर उठ कर हमें विश्वविद्यालय को सशक्त बनाने में पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ कार्य करना होगा। जिससे कि यह विश्वविद्यालय नित नये

प्रतिमान स्थापित कर सके।

स्वागत करते हुए कुलसचिव श्रीमती रीना सिंह ने कहा कि 24 साल पहले तकनीकी विश्वविद्यालय के रूप में लगा एक पौधा आज विशाल वृक्ष बन चुका है। हमें इस वृक्ष को और भी अधिक मजबूत और फलदार बनाने की जरूरत है।

इसलिए हमें इसे आगे बढ़ाने में अपने योगदान के लिए संकल्पित होना पड़ेगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के अधिनियम पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डाला। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो0 ओपी सिंह ने छात्रों के हित में विश्वविद्यालय की ओर से किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एसो0 डीन इनोवेशन डॉ0 अनुज कुमार शर्मा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन वित्त अधिकारी श्री सुशील कुमार गुप्ता ने दिया। इस मौके पर शिक्षक, अधिकारियों, कर्मचारियों के साथ छात्र–छात्राएं मौजूद रहीं।

रंगोली बनाकर किया जागरूक

आविर्भाव दिवस के मौके पर विश्वविद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की गयी। जिसमें छात्र–छात्राओं की चार टीमों ने हिस्सा लिया। किसी ने अपनी रंगोली से मतदान के लिए जागरूक किया तो किसी ने पर्यावरण की चिंता अपनी रंगोली के माध्यम से व्यक्त किया। इसमें छात्रा एकता मिश्रा, जागृति त्रिपाठी, निष्ठा सिंह और राहुल गुप्ता की बनी रंगोली को प्रथम स्थान मिला। इन छात्रों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा तकनीकी शिक्षा के उन्नयन में युवाओं के योगदान विषयक निबंध प्रतियोगिता भी हुई। इसमें प्रथम स्थान छात्र ऐमन मुबारक, दूसरे स्थान पर रजनीश कुमार शर्मा और तीसरे पर वैभव सिंह रहे। इसके अलावा इस अवसर पर परिसर में पौधरोपण भी किया गया। माननीय कुलपति प्रो0 जेपी पांडेय, कुलसचिव श्रीमती रीना सिंह, वित्त अधिकारी श्री सुशील कुमार गुप्ता ने विभिन्न प्रकार के पौधों को रोपा।

मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन प्रकाश बाल विद्या मंदिर इंटर कालेज, विशाल खंड 1 में किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोमती नगर जन कल्याण महासमिति एवं प्रकाश बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज विशाल खंड 1 के सहयोग से दिनांक 09 मई 2024, दिन गुरुवार को मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन प्रकाश बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज, विशाल खंड 1 में सुबह 7रू30 से किया गया जिसमें महासमिति के पदाधिकारी, सभी अध्यक्ष, सचिव व कोषाध्यक्ष के साथ प्रकाश बाल विद्या मंदिर इंटर कॉलेज के विद्यार्थी, टीचर्स एवं अन्य कार्यकर्ताओं ने भारी संख्या में अपनी सहभागिता सुनिश्चित की। महासमिति के पदाधिकारियों ने लखनऊ एवं गोमती नगर के सभी मतदाताओं से आग्रह किया कि वो स्वयं के परिवार एवम आस पास के लोगों का शत प्रतिशत मतदान 20 मई को करवाएं। छात्रों एवम उनके परिजनों को ये दायित्व दिया गया कि अपना सक्रिय योगदान इस महापर्व में दें। इस आयोजन में सभी ने मतदान करने की शपथ ली। महासमिति के अध्यक्ष डॉ बी एन सिंह, महासचिव डॉ राघवेंद्र शुक्ल, कार्यकारी महासचिव कर्नल ए एन पांडे, सचिव सी जी नायर, आर डी मौर्या एवं के के मौर्या, अशोक गुप्ता, सेवा प्रमुख नफीस अहमद, वारिस अली, आशीष कुमार, मनोज कुमार मिश्रा, जी एस यादव, राजेश श्रीवास्तव, आर सी मेहरोत्रा, कमल कुमार, अमित मिश्रा अध्यक्ष श्री राधा कृष्ण जन कल्याण समिति, कोषाध्यक्ष दिनेश कुमार सिंह, विवेक खंड 3 समिति से बी डी मिश्रा अध्यक्ष, आर पी मिश्रा सचिव, शिव विलास दुबे, एच लाल और विराम खंड से एवं अन्य समितियों के समस्त पदाधिकारियों की सहभागिता रही। पहले मतदान, फिर जलपान।

जल निगम के आयोजन से सुएज इंडिया ने शिविर में सीवर कार्य सुरक्षा प्रशिक्षण दिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। जल निगम द्वारा बुधवार को राजधानी में सुएज के सहयोग से सीवर कार्य सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का आयोजन आलमबाग क्षेत्र में निर्माणाधीन सीवरेज योजना के लिए अनुबंधित एजेंसियों के इंजीनियरों, सुपरवाइजरी स्टाफ और लखनऊ नगर निगम के सहायक अभियंताओं एवं कनिष्ठ अभियंताओं को प्रशिक्षित करने के लिए किया गया।

शिविर में सुएज इंडिया की सुरक्षा टीम के कुशल प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न प्रकार के सुरक्षा उपकरणों को प्रदर्शित किया गया और उनके संचालन की विधि भी समझाई गई। प्रशिक्षण में सुएज के सेफ्टी मैनेजर नवीन सिंह मिट्टी धंसने से बचाव के लिए टाइमिंग, क्रियाशील/निर्माणा धीन सीवर लाइन और मैनहोल सफाई के दौरान सुरक्षा सावधानियां, और आपातकालीन स्थिति में क्या करना है, इस बारे में भी जानकारी दी गई। सुएज इंडिया के प्रोजेक्ट डायरेक्टर, श्री राजेश मठपाल ने कहा, ष्सीवेज कार्य गहरी खुदाई और मिट्टी धंसने के खतरे से जुड़े होते हैं, इसलिए इन कार्यों में सुरक्षा का विशेष ध्यान रखना आवश्यक है। यह प्रशिक्षण शिविर इस कार्य से जुड़े सभी लोगों को सुरक्षित कार्य करने और जन–जीवन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करने में मदद करेगा। यह प्रशिक्षण शिविर इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह सीवर कार्य के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में मदद कर सकता है। 1 मई 2024 को लखनऊ के रेजिडेन्सी क्षेत्र में हुई दुर्घटना के बाद, नगर निगम के प्रबंध निदेशक ने सीवरेज कार्यों में सुरक्षा उपायों को मजबूत करने का निर्देश दिया था।

महेश गौतम, अधिशासी अभियंता, ने कहा कि "जल निगम द्वारा आयोजित यह सीवर कार्य सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर एक सराहनीय पहल है।

यह शिविर सीवर कार्य के दौरान होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने में और सीवर कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। हम सुएज के सभी अधिकारियों के आभारी हैं कि उन्होंने इतने कम समय में इस कार्यक्रम का आयोजन एवं हमारे इंजीनियरों को तकनीकी प्रशिक्षण करवाने में सहयोग किया।

रामनगरी में बनेंगी प्लास्टिक से सड़कें

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।रामनगरी में प्लास्टिक वेस्ट से सड़कों का निर्माण किया जाएगा। इसके लिए पहले चरण में चार सड़कें चिह्नित की गई हैं। सड़कों के किनारे फुटपाथ, स्टैंड की व्यवस्था होगी, हरियाली भी दिखेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इनके निर्माण के लिए मार्च माह में ही 22 करोड़ रुपये स्वीकृत किये हैं।मुख्यमंत्री ग्रीन रोड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट शहरी (सीएम–ग्रिड) योजना के तहत पहले चरण में 17 नगर निगमों में सड़कें बननी हैं।

इस योजना के तहत अयोध्या नगर निगम में कागजी कार्रवाई शुरू हो गई है। इसके लिए इंजीनियरों को रुड़की के सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों ने ट्रेनिंग भी दी है। बताया जाता है कि नष्ट नहीं होने से प्लास्टिक का कचरा पर्यावरण के लिए खतरा बन जाता है। यदि कचरे को सड़क बनाने के इस्तेमाल में लाया जाएगा तो इससे निगम को भी फायदा होगा। पर्यावरण को प्रदूषित होने से बचाया जा सकेगा। दूसरा प्लास्टिक के निस्तारण के लिए अलग से बजट भी नहीं रखना पड़ेगा। इसके अलावा सड़क निर्माण में सीजीबीएम सीमेंट ग्राउटेड बिट्यूमिनस मैकेडम (सीजीबीएम) का भी इस्तेमाल किया जाएगा, ताकि सड़क के अंदर पानी न जाए।

वर्ष 2024 लोकसभा चुनाव के लिए संकल्प पत्र के माध्यम से मतदाताओं को किया जागरूक

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। पंडित हृदयराम शर्मा पी डी पांडे इंटर कॉलेज सोनैसा रसूलाबाद अयोध्या विद्यालय में छात्र छात्राओं द्वारा वर्ष 2024 लोकसभा चुनाव के लिए संकल्प पत्र के माध्यम से मतदाताओं को जागरूक किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव चतुर्वेदी के नेतृत्व में सभी छात्राओं से एक संकल्प पत्र भरवा कर अपने माता–पिता तथा परिजनों को शत प्रतिशत मतदान के लिए जागरूक करने का संकल्प पत्र भरवाया गया। संकल्प पत्र के दूसरे भाग में परिजनों द्वारा भी अपने छात्र–छात्राओं को शत प्रतिशत मतदान करने का आश्वासन दिया गया।

अयोध्या से हवाई यात्रा की बुकिंग हुई सस्ती

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। गर्मी की छुट्टी में रामनगरी वासियों के लिए हवाई यात्रा भी बेहद आसान और किफायती होने वाली है।सभी विमान कंपनियों ने यहां से उड़ान भरने वाली हर फ्लाइट की बुकिंग सस्ती कर दी है। यही नहीं दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद, हैदराबाद,चेन्नई और कोलकाता से आने वाले विमानों का किराया भी कम किया गया है।इसके चलते उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर यात्रियों का आवागमन बढ़ सकता है।आमतौर पर अयोध्या से मुंबई की फ्लाइट करीब 8000 रुपये में बुक होती है,लेकिन सात मई से इसी का फ्लाइट का किराया 5235 रुपये कर दिया गया है और ये ऑफर एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ–साथ इंडिगो व स्पाइसजेट में भी मिल रहा है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।